आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

आज
* मंगला तेरस

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 350 | इंदौर, सोमवार 27 जुलाई, 2026 | आषाढ़ शुक्ल 13 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

मन की बात में पीएम नरेंद्र मोदी ने कारगिल के वीरों को किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 136वें एपिसोड में देशवासियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कारगिल विजय दिवस पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि देश आज जिन स्वतंत्रताओं का आनंद ले रहा है, वह वीर सैनिकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान का परिणाम है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने केवल राष्ट्रीय सुरक्षा ही नहीं, बल्कि विज्ञान, शिक्षा, पर्यावरण, जल संरक्षण, स्थानीय उत्पादों, खेल और युवाओं की उपलब्धियों जैसे कई विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने विभिन्न अभियानों में जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया और देश के लोगों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

स्टूडेंट्स पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया: राहुल गांधी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। इसमें राहुल ने दो सवाल पूछे हैं। पहला- प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? अगर आपने नहीं तो फिर किसने दिया? दूसरा- सामान्य कपड़ों में आए जिन लोगों ने लाठीचार्ज किया, वे पुलिसकर्मी थे या वॉलंटियर्स? उनकी तैनाती किसने की। राहुल ने ये भी कहा कि स्टूडेंट्स से बात करने के बजाय सिक्योरिटी फोर्स ने उन्हें पीटा, आंसू गैस के गोले छोड़े। सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। कइयों के निजी अंगों को जानबूझकर निशाना बनाया गया। 19 साल के छात्र साहिल लोचब की एक आंख चली गई।

सास गिरिबाला सिंह को झटका, स्पेशल कोर्ट से जमानत याचिका खारिज

भोपाल। देश भर में सुर्खियां बने मॉडल टिवशा शर्मा संदिग्ध दहेज हत्या केस की मुख्य आरोपी सास गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका रद्द कर दी गई है। उन्होंने भोपाल की स्पेशल कोर्ट में खुद को महिला व स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जमानत याचिका दाखिल की थी। कोर्ट में सीबीआई ने तर्क प्रस्तुत करते हुए तगड़ा विरोध किया था, जिसके बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। जानकारी अनुसार राजधानी भोपाल की एक विशेष अदालत ने पूर्व अभिनेत्री और मॉडल टिवशा शर्मा की संदिग्ध मौत व दहेज हत्या मामले में बड़ा फैसला दिया है। अदालत ने मामले की मुख्य आरोपी और मृतका की सास पूर्व न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

श्वेता ने दीपके से पूछा सवाल

पंजाब के शिक्षा मंत्री कब इस्तीफा दे रहे?

मुंबई। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके से सवाल पूछा है। शनिवार को उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में अभिजीत दिपके का एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में अभिजीत दिपके कहते हुए सुनाई देते हैं, अब जब धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो गया है, अगर हम सरकार के खिलाफ झुकेंगे नहीं, तो अच्छे-अच्छों का इस्तीफा ले सकते हैं। इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए श्वेता तिवारी ने लिखा, अब पंजाब के शिक्षा मंत्री कब इस्तीफा दे रहे हैं और 'कॉकरोच जनता पार्टी', तुम वहां कब विरोध-प्रदर्शन कर रहे हो? बता दें कि पंजाब में हाल ही में हुई फार्मेसी भर्ती परीक्षा में कथित धांधली/नकल और पिछले कुछ सालों में हुए कई पेपर लीक मामलों को लेकर शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस का इस्तीफा मांगा जा रहा है। वहीं, हरजोत सिंह बैंस ने विपक्ष की इस्तीफे की मांग का जवाब देते हुए कहा कि अगर उनके पद छोड़ने से राज्य की शिक्षा व्यवस्था बेहतर होती है, तो वह आज ही इस्तीफा देने को तैयार हैं।

नैनो न्यूज

- यूपी : खाने में नींद की गोली मिलाकर कारोबारी के घर से नौकरों ने 1.29 करोड़ रुपये नगद उड़ाए, पुलिस ने पकड़ा।
- यूक्रेन के पोर्ट पर मर्चेंट शिप बना निशाना, 2 भारतीय नाविक लापता, विदेश मंत्रालय ने जारी की सख्त एडवाइजरी।
- एमपी: बीजेपी नेता और टोल कर्मचारियों के बीच वाद-विवाद, टोल के पैसे न देने पर हुआ विवाद।
- नेपाल में 25 हजार रु. तक के भारतीय नोट ले जाने की मंजूरी, 200 रुपये और 500 रुपये के नए नोट ही मान्य।
- इजरायलियों ने वेस्ट बैंक की दो मस्जिदों में लगाई आग, बदला लेने की कही बात, फिलिस्तीनियों से झड़प।
- नोएडा में बच्चे की गड्ढे में डूबकर मौत, पिता वाइस-प्रिंसिपल: मां रोते-रोते बेहोश।
- पूर्व सीएम सिद्धारमैया का बड़ा एलान 'नहीं लड़ूंगा 2028 का कर्नाटक विधानसभा चुनाव'
- वित्त-मंत्री बोलीं- आईटी विभाग आम लोगों को परेशान न करे: अपनी ताकत से डराएं नहीं; जनता की भलाई के लिए काम करें।

रक्षामंत्री ने लद्दाख में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि देकर कहा- भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा तो पाकिस्तान घुसपैठ के

अगर पाकिस्तान रोड़े अटकाएगा तो हमारी सेनाएं तैयार हैं

एजेंसी ▸▸ अंबिकापुर

कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा है तो पाकिस्तान घुसपैठ के रास्ते खोज रहा है। भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर डिजाइन में लगा हुआ है। भारत स्टार्टअप इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है। भारत सेमीकंडक्टर बना रहा है तो पाकिस्तान सुसाइड बॉम्बर्स तैयार कर रहा है।

साफ है कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं। ऐसे में पाकिस्तान अपने घटिया मंसूबे लेकर हमारी समृद्धि के रास्ते में रोड़े खड़े करता है तो उसे करारा जवाब देने के लिए हमारी सेनाएं

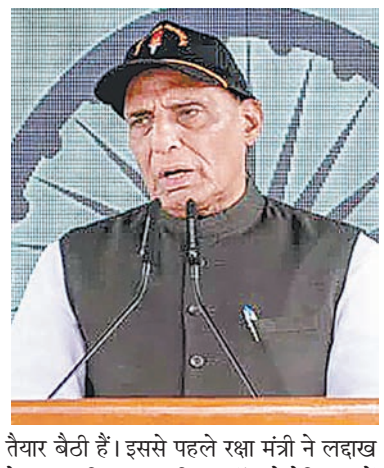

तैयार बैठी हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

रक्षा मंत्री का भाषण

- भारत की मंशा पूरी तरह स्पष्ट है। पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। अगर बातचीत होगी भी, तो सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर होगी, जो भारत का अभिन्न हिस्सा है और जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है।
- कारगिल वॉर मेमोरियल में पूरा भारत दिखाई देता है। यहां शहीदों में हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, तमिलनाडु समेत देश के हर हिस्से के जवानों के नाम दर्ज हैं।
- शहीदों में मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च जाने वाले सभी धर्मों के लोग शामिल हैं। जो लोग देश को बांटने का सपना देखते हैं, उन्हें इस स्मारक की दीवार को देखना चाहिए। यह दीवार ही भारत को बांटने की उनकी सोच का सबसे बड़ा जवाब है।
- कारगिल युद्ध केवल भारत की सैन्य और कूटनीतिक जीत नहीं था, बल्कि वह ऐतिहासिक क्षण था जब पूरी दुनिया ने भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और वीरता को देखा। भारतीय सैनिकों ने अपने शौर्य से ऐसा इतिहास रचा, जो हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।
- भारत अंतरिक्ष में सैटेलाइट भेज रहा है तो पाकिस्तान आज भी आतंकवादियों को सीमा पार भेजने का काम कर रहा है। भारत दुनिया को सॉफ्टवेयर दे रहा है तो पाकिस्तान दुनिया को स्लीपर सेल दे रहा है। भारत डेटा सेंटर बना रहा है तो पाकिस्तान रेडिकल सेंटर बना रहा है। भारत अकसे दुनिया को जोड़ रहा है तो पाकिस्तान हवाला से आतंकवाद जोड़ रहा है।

हेलीकॉप्टरों से पुष्पवर्षा और शौर्य संध्या में परिजनों को सौंपा कलश

इससे पहले लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना, थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और सेना के अन्य शीर्ष अधिकारियों ने युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया। इस दौरान भारतीय सेना के तीन हेलीकॉप्टरों (एक उन्नत हल्का हेलीकॉप्टर और दो चीतल) ने आसमान में एरोहेड (तीर के आकार) की संरचना में उड़ान भरते हुए युद्ध स्मारक पर भव्य पुष्पवर्षा की।

राजगढ़ में नेशनल हाईवे-52 पर ट्रक ने सड़क पर बैठे गोवंश को कुचला

17 गाय-बछड़ों को रौंदा, 15 की मौत

हादसे के बाद फरार ट्रक ड्राइवर पकड़ाया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ राजगढ़

प्रदेश के राजगढ़ में रविवार देर रात नेशनल हाईवे-52 पर टोल टैक्स के पास तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पर बैठे गोवंश को कुचल दिया। हादसे में एक बछड़े सहित 15 गायों की मौके पर ही मौत हो गई। दो गोवंश गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक लेकर भाग निकला। गो सेवकों ने पुलिस को सूचना दी और राजगढ़ की ओर बैरिकेड लगाकर ट्रक रोकने की तैयारी की। कोतवाली पुलिस ने कुछ ही देर में उसे पकड़कर ट्रक जब्त कर लिया। सूचना मिलते ही गोसेवक और गोरक्षक बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। सड़क पर जगह-जगह गोवंश के शव पड़े थे। हादसे के बाद कुछ देर हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

तमिलनाडु से लोहे के सरिए लेकर पंजाब जा रहा था ट्रक- राजगढ़ थाना प्रभारी मंजू मखेनिया ने बताया कि हादसे में एक बछड़े सहित 15 गायों की मौत हुई है। ट्रक तमिलनाडु से लोहे के सरिए लेकर पंजाब जा रहा था। चालक के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

गोवंश के सींगों पर रेडियम लगाने का अभियान चलाएंगे- टीआई ने कहा कि ऐसे हादसे रोकने के लिए पुलिस और गोसेवक मिलकर सड़क पर घूमने वाले गोवंश के सींगों पर रेडियम लगाने का अभियान चलाएंगे, ताकि रात में वाहन चालकों को वे दूर से दिखाई दे सकें।

गांव वाले ऐसे ही रोड पर छोड़ जाते हैं मवेशी

टोल कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि आसपास के गांवों से लोग निराश्रित गोवंश को हाईवे किनारे छोड़ जाते हैं। रात में यही गोवंश सड़क पर बैठ जाता है और तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आ जाता है। यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है।

शिक्षा मंत्रालय का पदभार संभालते ही एक्शन में प्रहलाद जोशी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। रविवार को उन्होंने मंत्रालय का कार्यभार संभाला और शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक भी की। जोशी को यह जिम्मेदारी ऐसे समय सौंपी गई है, जब देश में शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा चल रही है। रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट जोशी ने कहा, आज मैंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पदभार संभाला। मुझ पर भरोसा जताने और मुझे यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी हूं।

डोगरा संस्कृति का विलुप्त लोकपर्व ऋतु राहड़े का

प्रदर्शनात्मक कार्यक्रम आयोजित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

डोगरा वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा नई दिल्ली स्थित जम्मू-कश्मीर हाउस में विलुप्तप्राय लोकपर्व ऋतु राहड़े के पुनर्जीवन के उद्देश्य से परिचयात्मक एवं प्रदर्शनात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पारंपरिक डोगरी गीतों की प्रस्तुति के साथ रुट्ट, चिल्ले, बबरू, मदरे और घ्यूर जैसे पारंपरिक व्यंजन भी परोसे गए।

कार्यक्रम में एसोसिएशन की अध्यक्ष सुदेश डोगरा, जम्मू-कश्मीर हाउस की अधिकारी सविनय कुमारी तथा सत्या देवी, सोनी गुलेरिया पूजा शर्मा, पुष्पा शर्मा और इन्द्रू शर्मा के समूह ने ऋतु राहड़े से जुड़े पारम्परिक डोगरी गीत प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने अपने घरों में तैयार किए गए पारम्परिक व्यंजन-रुट्ट, चिल्ले, बबरू, मदरे तथा घ्यूर-

भी अतिथियों को परोसे। इन व्यंजनों की इतनी प्रचुर व्यवस्था थी कि अलग से भोजन की आवश्यकता ही नहीं पड़ी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त रेज़िडेंट कमिश्नर अनिल शर्मा ने की। महासचिव रमन केसर ने ऋतु राहड़े की सामाजिक एवं वैज्ञानिक महत्ता पर प्रकाश डाला और इसे देशभर में पुनर्जीवित करने का आह्वान किया।

अगस्त में 14 दिन बैंकों में काम नहीं होगा

5 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 7 दिन बैंक बंद रहेंगे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

अगले महीने यानी अगस्त में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 14 दिन बैंक बंद रहेंगे। 5 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 7 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा। ऐसे में अगर आपको इस महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं।

- **किस-किस शनिवार को बैंक बंद रहेंगे-** 8 अगस्त को महीने का दूसरा शनिवार होने की वजह से देशभर के बैंक बंद रहेंगे। 22 अगस्त को महीने का चौथा शनिवार है, इस दिन भी देश के सभी बैंकों की छुट्टी रहेगी।
- **रविवार की छुट्टी कब-कब रहेगी-** 2 अगस्त, 9 अगस्त, 16, 23 और 30 अगस्त।
- **ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए निपटा सकेंगे काम-** आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

छात्रों पर पुलिस की ज्यादती को लेकर संसद में सरकार को घेरेगा विपक्ष

पीएम मोदी की माफी पर अड़ा 'इंडिया' गठबंधन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

जंतर मंतर पर पेपर लीक, शिक्षा प्रणाली में कथित गड़बड़ियों को लेकर सीजेपी के बैनर तले हो रहा प्रदर्शन लगभग 35 दिनों से बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ शनिवार को खत्म हो गया। लेकिन राजनीतिक गलियारों में विपक्ष अभी भी पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर जुबानी हमले कर रहा है।

कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कथित ज्यादती को लेकर संसद में सरकार पर दबाव बनाए रखने के लिए इसके जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से माफी की मांग करेगा।

इंडिया गठबंधन की बैठक में तय होगा विपक्ष का रुख

सूत्रों ने कहा कि संसद में विपक्ष की रणनीति और प्रश्नपत्र लीक रोधी दो वर्ष पुराने कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक पर उसका रुख सोमवार सुबह संसद भवन में राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में होने वाली इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन की बैठक में तय किया जाएगा।

जल संसाधन विभाग का बाबू रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ रीवा

मध्य प्रदेश के रीवा जिले के त्योंथर स्थित जल संसाधन विभाग कार्यालय में लोकायुक्त पुलिस ने एक बाबू को तीन हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी बाबू ने विभाग के चौकीदार की विधवा का पेंशन प्रकरण बनाने के लिए रिश्वत की मांग की थी। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता मोनू नापित, निवासी ग्राम चुनरी, तहसील त्योंथर, जिला रीवा ने पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें कहा गया था कि उनके पिता रामसुचित नापित जल संसाधन विभाग में चौकीदार थे, जिनका 24 मार्च 2026 को सेवाकाल के दौरान निधन हो गया था।

पाठ्य पुस्तक निगम के गोदाम से 450 बंडल गायब, भोपाल से पहुंची जांच टीम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ रीवा

रीवा जिले में सरकारी स्कूलों के लिए भेजी जाने वाली पाठ्य पुस्तकों को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। पाठ्य पुस्तक निगम के गोदाम से करीब 450 बंडल किताबें गायब मिलने के बाद शिक्षा विभाग और प्रशासन में हलचल मच गई है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक इन बंडलों में लाखों किताबें थीं, जिनकी कीमत करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, हाल ही में स्कूलों में किताबों का वितरण तेज करने के दौरान जब गोदाम के स्टॉक का मिलान किया गया तो रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में बड़ा अंतर मिला। जांच में सामने आया कि कई किताबों को सरकारी दस्तावेजों में पहले ही वितरित दिखाया जा चुका था, लेकिन उनमें से कुछ किताबें गोदाम में ही मौजूद मिलीं।

ज्वेलरी दुकान के संचालक की स्कूटी में रखा आभूषणों से भरा बैग अज्ञात युवक लेकर फरार

सीतापुर बाजार में दिनदहाड़े 1 करोड़ की ज्वेलरी चोरी

एजेंसी ▸▸ अंबिकापुर

सरगुजा जिले के सीतापुर मुख्य बाजार में रविवार को दिनदहाड़े करीब एक करोड़ रुपये की सोने-चांदी की ज्वेलरी चोरी होने से सनसनी फैल गई। राष्ट्रीय राजमार्ग-43 के किनारे स्थित एक ज्वेलरी दुकान के संचालक की स्कूटी में रखा आभूषणों से भरा बैग अज्ञात युवक लेकर फरार हो गया। पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

जानकारी के अनुसार, ज्वेलरी कारोबारी अरुण देव सोनी अपनी दुकान पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने ज्वेलरी से भरा बैग स्कूटी में रखा और कुछ देर बाद जब वापस लौटे तो बैग गायब था। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई वारदात

पुलिस ने दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में एक युवक स्कूटी से काला बैग निकालकर तेजी से भागता हुआ दिखाई दे रहा है। कारोबारी के अनुसार, वह रोजाना दुकान बंद होने के बाद ज्वेलरी घर ले जाते हैं और सुबह उसे वापस दुकान लाते हैं। चोरी हुए बैग में करीब एक करोड़ रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण रखे थे।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शनिवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

छुक-छुक वालों की सेवा

आप अगर कहीं यात्रा कर रहे हों और जो साधन आपने उपयोग किया हो उसके संचालनकर्ता मुसीबत के समय आपकी मदद करें तो तय है आपको अपनत्व का एहसास होगा। ऐसा ही कुछ छुक-छुक वालों ने किया है। वर्तमान हाल में वर्षा ने देश के कुछ क्षेत्रों में हालत खराब कर रखी है । इसी से प्रभावित होने की स्थिति में छुक-छुक घंटों देरी से और मार्ग बदलकर चलाई जा रही है। इसके कारण कई छुक-छुक रोक दी गई है। ऐसी स्थिति में छुक-छुक के क्षेत्रीय मुख्यालय तेल की कचौरी वाले जिला में बैठे अधिकारियों ने त्वरित निर्ण्य लेते हुए यात्रियों को राहत पहुंचाने का कदम उठाया। छुक-छुक में बैठे भूखे प्यासे यात्रियों को राहत देते हुए मुख्यालय के केंद्र एवं नामली, नागदा, मेघनगर, लिमखेड़ा, थांदला रोड तथा बामनिया स्टेशनों पर रुकी हुई ट्रेनों के यात्रियों को दाल-चावल, खिचड़ी, पोहा, केले तथा पेयजल का वितरण उपलब्धता अनुसार किया गया और उसे अभी हालातों को देखते हुए निरंतर रखा गया है। सेवा कार्य में स्थानीय नागरिकों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी छुक-छुक प्रशासन के साथ सराहनीय योगदान दिया। सामाजिक संगठन भी आगे आ गए और यात्रियों को भोजन एवं पेयजल वितरित किया। स्थिति को देखते हुए छुक-छुक के सभी केंद्रों पर परिचालन सामान्य होने तक तक सभी खान-पान केंद्रों को पूर्ण क्षमता के साथ संचालित करने के लिए छुक-छुक प्रशासन ने निर्देशित किया है। छुक-छुक के केंद्रों पर गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री एवं पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता को लेकर निगरानी रखी जा रही है। पेयजल की उपलब्धता के लिए अतिरिक्त वाटर कैम्पर मंगाए गए हैं। खानपान केंद्रों के संचालकों को भी पर्याप्त संख्या में पानी के कैम्पर उपलब्ध रखवाए जा रहे हैं। सुरक्षा गश्त बढ़ा दी गई है। यात्रियों को अपडेट किया जा रहा है। खुसूर-फुसूर है कि आपदा के समय जिस सहृदय व्यवहार का उपयोग छुक-छुक प्रशासन करता है वह सामान्य समय में नहीं करता है। यहां तक कि व्यवस्थागत दोष को भी यात्रियों पर ही मढ़ा जाता है। छुक-छुक में साथ चलने वाला स्टाफ भी कम ही सहयोगी होता है। यहां तक कि लंबी दूरी की छुक-छुक में पैंट्री वालों की मनमानी पर लगाम कसने में कमजोरी सामने आती है। पैंट्री वालों की यात्रियों के साथ सीधी दादागिरी चलती है और इनकी मनमानी पर आपत्ति लेने वाले यात्री को ये प्रताड़ित करते हैं।

न्यूज कॉलम

जिला पंचायत की साधारण सभा में विभागीय योजनाओं की समीक्षा की

उज्जैन। जिला पंचायत उज्जैन की साधारण सभा की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष कमला कुंवर अंतर सिंह देवड़ा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल जीवन मिशन, शिक्षा, उद्यानिकी, सहकारिता, आदिम जाति कल्याण, जिला उद्योग केंद्र, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष शिवानी कुंवर भी उपस्थित रही। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रेयांस कूमट ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों से नियमित समन्वय स्थापित कर उनके क्षेत्रों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की जाए तथा स्वास्थ्य योजनाओं, चिकित्सकों की उपलब्धता एवं एम्बुलेंस सेवाओं की अद्यतन जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने एम्बुलेंस सेवाओं के सुचारु संचालन पर विशेष बल दिया। बैठक की शुरूआत पूर्व साधारण सभा के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा से हुई, जिसमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सहकारिता, जल जीवन मिशन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कृषि, शिक्षा एवं विद्युत विभागों से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई।

नैनो न्यूज

- एडिनबर्ग में आयोजित 'चीयर फॉर भारत' कार्यक्रम में शिव स्तुति से मोहा मन, खेल मंत्री और पीटी ऊषा ने की सराहना
- महाराष्ट्र में आयोजित मास्टर्स चैंपियनशिप में उज्जैन के गुलरेज खान ने अपनी ताकत का लोहा मनवाते हुए स्वर्णिम इतिहास रचा है।
- विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के लिए शिवकुमार मौर्या का हुआ चयन, गृह जिले यूपी के चंदौली से जुड़ेंगे

ट्रेंडिंग

कुपोषण उन्मूलन के लिए एक दूरदर्शी सशक्त माडल

नागदा एसडीएम का नवाचार की पोषण मित्र मिशन योजना की तैयार

प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र, समाज की साझेदारी से बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने की दिशा में अनूठी पहल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

नागदा अनुभाग में दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान के दौरान एसडीएम नागदा रंजना पाटीदार ने कुपोषण उन्मूलन के लिए एक दूरदर्शी पहल पोषण मित्र मिशन की योजना तैयार की है। यह पहल प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र और समाज की साझेदारी से बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने की दिशा में एक सशक्त मॉडल के रूप में विकसित की जा रही है।

ग्राम अलसी में सघन फील्ड विजिट के दौरान एसडीएम ने घर-घर पहुंचकर बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का आकलन किया, परिजनों से संवाद स्थापित किया तथा डायरिया से बचाव हेतु ओआरएस एवं जिंक के उपयोग की जानकारी दी। सुश्री पाटीदार बताती हैं कि अभी हमने योजना बद्ध किया है। इस पर हम काम करना चाहते हैं।

पोषण मित्र मिशन की प्रस्तावित रूपरेखा

सुश्री पाटीदार के अनुसार इस योजना के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों, शासकीय अधिकारियों, अधिवक्ताओं, व्यापारी संगठनों, क्लब एवं एनजीओ को पोषण मित्र के रूप में जोड़ा जाएगा। प्रत्येक कुपोषित बच्चे के लिए 6 माह की अवधि हेतु एक पोषण मित्र निर्धारित किया जाएगा, जो बच्चे के पोषण, स्वास्थ्य और समग्र विकास की जिम्मेदारी निभाएगा।

3एम मॉडलः पोषण मित्र की स्पष्ट जिम्मेदारियां

इस मिशन का क्रियान्वयन 3एम मॉडल पर आधारित रहेगा, जो सीधे तौर पर पोषण मित्र की जिम्मेदारी होगी–

- **निरंतर निगरानी-** पोषण मित्र द्वारा आवंटित बच्चे की नियमित प्रगति पर नजर रखी जाएगी। आंगनवाड़ी, आशा एवं एएनएम द्वारा साप्ताहिक हाइट, वजन एवं ग्रोथ माप कर रिपोर्ट साझा की जाएगी। बच्चे की पोषण स्थिति में हो रहे बदलाव का ट्रैक रखा जाएगा। आवश्यकता होने पर स्वास्थ्य संस्थानों से समन्वय कर उपचार सुनिश्चित किया जाएगा।
- **पोषण एवं संसाधन उपलब्धता-** बच्चे की जरूरत अनुसार संतुलित एवं पोष्टिक आहार की नियमित व्यवस्था कराई जाएगी। वजन बढ़ाने, रोग प्रतिरोधक क्षमता सुधारने एवं समग्र विकास हेतु सप्लीमेंट/पोषण सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इस हेतु लगभग 600-800 प्रतिमाह का व्यय अनुमानित है। आवश्यकतानुसार कपड़े, खिलौने एवं स्वच्छता सामग्री की व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे बच्चे का समग्र विकास सुनिश्चित हो।
- **प्रेरणा एवं व्यवहार परिवर्तन-** पोषण मित्र द्वारा बच्चे के माता-पिता को टीकाकरण, नियमित जांच एवं पोषण संबंधी आदतों के लिए प्रेरित किया जाएगा। परिवार को सरकारी योजनाओं (जैसे आयुष्मान कार्ड, संबल, लाड़ली बहना आदि) से जोड़ने में सहयोग किया जाएगा। स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल एवं संतुलित आहार के प्रति जागरूकता बढ़ाकर व्यवहार परिवर्तन सुनिश्चित किया जाएगा।

लक्ष्य आधारित परिणाम

3 माह में: 70% बच्चे एसएएम से एमएएम श्रेणी में आएं
6 माह में: 90%+ बच्चे सामान्य श्रेणी में आएं
जीरो रिप्लेस : बच्चे दोबारा कुपोषित न हों

समन्वित क्रियान्वयन

इस योजना को जनभागीदारी ,प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग,महिला एवं बाल विकास विभाग, के समन्वय से क्रियान्वित किया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर पर ठोस परिणाम प्राप्त हो सकें।

योजना जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण

एसडीएम नागदा द्वारा प्रस्तावित पोषण मित्र मिशन प्रशासनिक नवाचार, उत्तरदायित्व और जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। स्पष्ट लक्ष्य, जिम्मेदारी आधारित मॉडल एवं सामुदायिक सहयोग के साथ यह पहल कुपोषण उन्मूलन के क्षेत्र में राज्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी एवं अनुकरणीय मॉडल बन सकती है।

महापौर ने किया कंठाल चौराहे से सतीगेट होते हुए छत्री चौक तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण

राजसी सवारी से पहले पूरा होगा निर्माण

नाली निर्माण और सड़क कार्य समय पर पूरा करने के दिए निर्देश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

बाबा महाकाल की आगामी राजसी सवारी को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा कंठाल चौराहे से सतीगेट होते हुए छत्री चौक तक किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्यों का शनिवार को महापौर मुकेश टटवाल ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को निर्माण कार्य तय समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

महापौर टटवाल ने कहा कि बाबा महाकाल की राजसी सवारी से पूर्व कंठाल चौराहे से सतीगेट और छत्री चौक तक का मार्ग पूरी तरह तैयार कर लिया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं और आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की

असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि वर्तमान में छत्री चौक से खड़े हनुमान होते हुए भगत जी की दुकान तक डीएलसी (ड्राई लीन कंक्रीट) का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि सतीगेट एवं कंठाल चौराहे तक नाली निर्माण और सड़क निर्माण का कार्य तेजी से जारी है।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने ठेकेदार को निर्देशित किया कि नाली निर्माण के दौरान जहां जलभराव की स्थिति है, वहां तत्काल डिवाटरिंग कर निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। साथ ही मार्ग के दोनों ओर नालियों का निर्माण शीघ्र पूरा कर सड़क निर्माण कार्य भी निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए। महापौर ने कहा कि नगर निगम के अधिकारी और संबंधित ठेकेदार दिन-रात कार्य कर रहे हैं, जिससे राजसी सवारी से पहले पूरा मार्ग तैयार हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र के नागरिकों का सहयोग मिलने से कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा होने की उम्मीद है। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य रजत मेहता, कैलाश प्रजापत, संबंधित उपयंत्री तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

विधिक सेवा प्राधिकरण, उज्जैन आईएसओ प्रमाणित प्रदेश का बना एक मात्र प्राधिकरण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उज्जैन को वर्ष 2022 में मध्यप्रदेश का प्रथम आइएसओ प्रमाणित प्राधिकरण बनने का गौरव प्राप्त है, जिसके अनुक्रम में वर्ष 2026 को आईएसओ प्रमाण पत्र का रिन्युअल कर आईएसओ संस्था के अधिकारी योगेन्द्र द्विवेदी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश माननीय पी.सी. गुप्ता, सचिव माननीय मनोज कुमार भाटी को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

आईएसओ कार्यकम समारोह पैरालीगल वालंटियर एवं विधि छात्रों की उपस्थिति में एडीआर सेंटर भवन में हुआ। माननीय श्री गुप्ता साहब ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मानक पूर्ण करने पर आइएसओ सार्टीफिकेट प्राप्त होना उज्जैन के लिए गौरव की बात है। जिसकी निरंतरता कर पुनः प्रमाणपत्र को रिन्युअल किया गया है। इस उपलब्धि में विधिक सेवा संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों, पैनल लॉयर एवं पैरालीगल वालंटियर्स का पूर्ण योगदान रहा है। सभी ने समाज के जरूरतमंद एवं अंतिम छोर के व्यक्ति को नालसा/सालसा एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में अमूल्य योगदान दिया है।

दो महीने में ही उखड़ने लगी सिंहस्थ के लिए बनी सड़क

18400 करोड़ रुपये के कामों पर उठे सवाल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा बनाए जा रहे चिंतामण फोरलेन की गुणवत्ता निर्माण पूरा होने से पहले ही सवालों के घेरे में आ गई है। जंतर-मंतर के सामने करीब दो महीने पहले डाला गया सीमेंट कंक्रीट (सीसी) रोड अब जगह-जगह खराब होने लगा है।

सड़क की सतह पर गड्ढे और क्षतिग्रस्त हिस्से दिखाई देने लगे हैं, जिन्हें अब पेचवर्क कर भरने की कवायद की जा रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जो सड़क अभी पूरी तरह तैयार भी नहीं हुई, उसकी मरम्मत की नौबत आखिर क्यों आ गई?

यह मार्ग सिंहस्थ की दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल है। करोड़ों रुपये खर्च कर तैयार किए जा रहे इस फोरलेन का उद्देश्य सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर यातायात सुविधा देना है। लेकिन शुरूआती दौर में ही सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठने से निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लग गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क बनने के कुछ ही सप्ताह बाद इसकी सतह खराब होने लगी थी। अब जिन हिस्सों में गड्ढे बने हैं, वहां नया कंक्रीट डालकर पैबंद लगाए जा रहे हैं। इससे यह आशंका भी गहरा गई है कि यदि अभी यह स्थिति है तो भारी यातायात शुरू होने के बाद सड़क कितनी टिकाऊ साबित होगी।

थर्ड पार्टी ऑडिट होगा

मामला ऐसे समय सामने आया है, जब प्रदेश सरकार ने सिंहस्थ-2028 से जुड़े 18,400 करोड़ रुपये से अधिक के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार की कंपनी सर्टिफिकेशन इंजीनियर्स इंटरनेशनल लिमिटेड (सीइआइएल) को थर्ड पार्टी ऑडिट की जिम्मेदारी सौंपी है। यह एजेंसी निर्माण के हर चरण में सामग्री, तकनीकी मानकों, डिजाइन और गुणवत्ता की स्वतंत्र जांच करेगी। संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने निर्माण कार्यों के दस्तावेज और प्रगति पूरी तरह अपडेट रखें, ताकि निरीक्षण में किसी प्रकार की कमी न रहे। ऐसे में चिंतामण फोरलेन का यह मामला स्वतंत्र गुणवत्ता जांच की आवश्यकता को और मजबूत करता है। यदि निर्माण के दौरान ही गुणवत्ता में कमी सामने आ रही है तो समय रहते इसकी जांच और जिम्मेदारी तय करना जरूरी होगा।

पिछले सिंहस्थ से नहीं लिया सबक?

पिछले सिंहस्थ में बने कई पुल, सड़कें और घाट आयोजन के कुछ समय बाद ही क्षतिग्रस्त हो गए थे। इन्हीं अनुभवों के आधार पर इस बार सरकार ने हर बड़े प्रोजेक्ट का थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट कराने का निर्णय लिया है। बावजूद इसके, निमार्णाधीन सड़क पर दो महीने में ही पैचवर्क की नौबत आना गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। अब नजर इस बात पर रहेगी कि सीइआइएल की जांच में इस सड़क की गुणवत्ता को लेकर क्या रिपोर्ट सामने आती है और जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होती है।

27 जुलाई तक इंदौर-दौंड एक्सप्रेस निरस्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी वर्षा एवं पुणे सेक्शन में लैंड स्लाइड के कारण रतलाम मंडल से गुजरने वाली ट्रेनों का यातायात प्रभावित हुआ है। पश्चिम रेलवे, रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि इस कारण इंदौर से चलने वाली ट्रेन संख्या 22944 इंदौर-दौंड सुपरफास्ट एक्सप्रेस और दौंड से चलने वाली ट्रेन संख्या 22943 दौंड-इंदौर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 25 से 27 जुलाई तक निरस्त रहेगी।

26 जुलाई को दौंड से प्रस्थान करने वाली गाड़ी संख्या 22193 दौंड-ग्वालियर एक्सप्रेस वाया दौंड-मनमाड-जलगांव-पालधी-सूरत रास्ते चलेगी।

मुंबई और गुजरात के कई हिस्सों में हो रही तेज बारिश और जल जमाव के कारण सुबह मुंबई से चलकर उज्जैन आने वाली अवंतिका एक्सप्रेस भी अपने निर्धारित समय से 6 घंटे देरी से पहुंची है।

बड़े गणेश मंदिर में 11 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

देशभर में स्वतंत्रता दिवस भले ही 15 अगस्त को मनेगा, लेकिन धर्मधानी उज्जैन के बड़े गणेश मंदिर में आजादी का उत्सव 11 अगस्त को मनाया जाएगा। इसकी वजह मंदिर की वह अनूठी परंपरा है, जिसके तहत राष्ट्रीय पर्व अंग्रेजी कैलेंडर की तारीख के बजाय उस वैदिक तिथि के अनुसार मनाए जाते हैं, जिस तिथि पर ऐतिहासिक घटना घटी थी।

पंचांगकर्ता, ज्योतिर्विद पं. आनंद शंकर व्यास ने बताया भारत को 15 अगस्त 1947 को आजादी मिली थी। उस दिन श्रावण कृष्ण चतुर्दशी तिथि थी। इस वर्ष यही तिथि 11 अगस्त को पड़ रही है। इसलिए मंदिर में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन चार दिन पहले मनाया जाएगा। मंदिर में सुबह गणतंत्र के आराध्य देव बड़े गणेश का अभिषेक पूजन कर गणपति स्तोत्र के सहस्त्र पाठ होंगे। इसके बाद ध्वजारोहण होगा।

राष्ट्रगान के साथ भारत माता का पूजन किया जाएगा तथा स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित

की जाएगी। इस अवसर पर देशभक्ति के गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और प्रसाद वितरण भी होगा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और नागरिक इस आयोजन में शामिल होंगे। पं.व्यास ने बताया बड़े गणेश मंदिर में 15 अगस्त, 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्व तथा महापुरुषों की जयंती तिथि अनुसार मनाने की यह परंपरा वर्षों पुरानी है। इसके अलावा हिन्दी दिवस भी तिथि के अनुसार मनाया जाता है।

पं. व्यास ने बताया सनातन धर्म परंपरा को मानने वाले हर हिन्दू धर्मावलंबी के दिन की शुरूआत पंचांग के अनुसार होती है, उसी के अनुसार दैनंदिनी के कार्यक्रम तय होते हैं। अर्थात व्यक्ति वार के अनुसार व्रत रखता है, संबंधित ग्रह व देवी देवताओं की उपासना करता है। जन्म के बाद व्यक्ति की कुंडली भी तिथि, वार, योग, नक्षत्र के अनुसार बनाई जाती है।

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य , भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

इंदौर | उज्जैन | सोमवार 27 जुलाई, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

शासकीय चरनोई भूमि से हटाया गया अवैध अतिक्रमण

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निदेर्शानुसार जिले में शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अनुभाग बिचौली के ग्राम जामन्या खुर्द स्थित चरनोई मद में दर्ज शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। राजस्व विभाग की टीम ने सर्वे क्रमांक 198 की लगभग एक एकड़ शासकीय भूमि का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि उक्त भूमि पर अवैध रूप से पक्का मकान एवं पक्की सड़क का निर्माण किया जा रहा था। इसके बाद राजस्व अमले ने जेसीबी मशीन की सहायता से अतिक्रमण हटाते हुए निमार्णाधीन पक्के मकान, पक्की सड़क तथा खंभों की बाउंड्री को ध्वस्त कर शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया। यह कार्रवाई अतिक्रमणकारी रामप्रसाद दुबे, निवासी ग्राम जामन्या खुर्द, के विरुद्ध की गई।

अहिल्या आश्रम (सांदीपनि विद्यालय) का जैन ने किया निरीक्षण

इंदौर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत इंदौर सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को अहिल्या आश्रम स्थित सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक, आवासीय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भोजन व्यवस्था, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, शिक्षण गतिविधियों एवं छात्रावास की व्यवस्थाओं का विस्तार से अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्री जैन ने विद्यार्थियों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं पोषण संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने भोजन निर्माण प्रक्रिया का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए।

मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब से 38 खाद्य पदार्थों की स्पॉट टेस्टिंग

इंदौर। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश द्वारा दूध एवं दुग्ध उत्पादों सहित अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु विशेष निरीक्षण एवं सैंपलिंग अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।उक्त निदेर्शों के परिपालन में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा डेयरी प्रतिष्ठानों, मेस एवं शिकायत प्राप्त खाद्य प्रतिष्ठान का सघन निरीक्षण कर व्यापक नमूना कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 07 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 28 खाद्य नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। साथ ही मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब की सहायता से मौके पर ही 38 खाद्य पदार्थों की प्रारंभिक स्पॉट टेस्टिंग की गई। नवलखा स्थित रामजी डेरी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सुमित सिंघल उपस्थित पाए गए।

आईआईएम इंदौर करेगा कैट 2026 का आयोजन

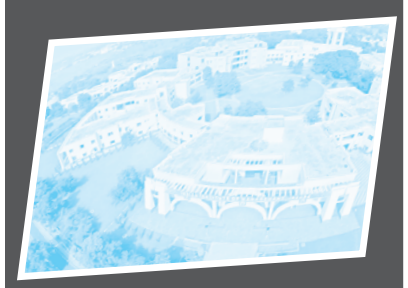

इंदौर। भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर (आईआईएम इंदौर) को कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) 2026 के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कैट, भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) तथा देश के अनेक अग्रणी प्रबंधन संस्थानों द्वारा संचालित स्नातकोत्तर एवं डॉक्टोरल प्रबंधन कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली प्रमुख प्रवेश परीक्षा है। आईआईएम इंदौर के प्रोफेसर प्रो. आदित्य बिल्लोरे को कैट 2026 का संयोजक नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने कहा, ₹भारतीय प्रबंधन संस्थानों की ओर से कैट 2026 का आयोजन करना आईआईएम इंदौर के लिए अत्यंत सम्मान और गौरव की बात है। हम परीक्षा के प्रत्येक चरण में निष्पक्षता, पारदर्शिता, सुरक्षा और परिचालन उत्कृष्टता के सर्वोच्च मानकों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कैट ने निरंतर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन शिक्षा के द्वार खोले हैं और उन्हें ऐसे उत्तरदायी नेतृत्वकर्ता बनने का अवसर प्रदान किया है जो समाज और राष्ट्र पर सार्थक प्रभाव डाल सकें। हम सभी अभ्यर्थियों को प्रोत्साहित करते हैं कि वे आत्मविश्वास, ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस परीक्षा में सम्मिलित हों तथा इसे अपने नेतृत्व और परिवर्तनकारी भविष्य की यात्रा का एक महत्वपूर्ण प्रारंभिक चरण मानें।

नैनो न्यूज

- **पीथमपुर के ऑटो उद्योग को नए निवेश की उम्मीद-** इंदौर-पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट सेक्टर में नए निवेश प्रस्तावों पर चर्चा तेज है। उद्योग संगठनों का कहना है कि आने वाले महीनों में उत्पादन क्षमता और रोजगार दोनों बढ़ सकते हैं।
- **इंदौर के MSME उद्यमियों को नई योजनाओं का लाभ-** मध्य प्रदेश MSME विभाग ने उद्यमियों से उद्योग विस्तार, भूमि आवंटन और सरकारी प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है। नई औद्योगिक नीतियों के तहत छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- **इंदौर स्टार्टअप इकोसिस्टम लगातार मजबूत-** इंदौर के स्टार्टअप और लघु उद्योगों के लिए नेटवर्किंग और निवेश के अवसर बढ़ रहे हैं। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि शहर मध्य भारत का प्रमुख स्टार्टअप हब बनता जा रहा है।
- **देशभर में MSME क्षेत्र में रोजगार बढ़ा, चुनौतियां भी बरकरार-** संसद में पेश आंकड़ों के अनुसार MSME क्षेत्र में रोजगार में 16 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि कई इकाइयों के बंद होने से चुनौतियां भी सामने आई हैं, जिसका असर इंदौर सहित औद्योगिक शहरों पर भी पड़ सकता है।
- **उद्योग संगठनों ने निर्यात बढ़ाने पर दिया जोर-** इंदौर के निर्यातक संगठनों ने फार्मा, इंजीनियरिंग, फूड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार से लॉजिस्टिक सुविधाएं मजबूत करने की मांग की है।

उज्जैन में सिंहस्थ से पहले संवरेगा एक और प्राचीन स्थल

94.47 करोड़ रुपये से विकसित होगा उज्जैन का भूखी माता मंदिर

मंदिर परिसर का संरक्षण और सौंदर्यीकरण करने के साथ श्रद्धालुओं के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएंगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच उज्जैन की एक और प्राचीन आस्था स्थली का स्वरूप बदलने जा रहा है। शिप्रा तट स्थित लोकआस्था के केंद्र भूखी माता (भोग माता) मंदिर के समग्र विकास के लिए 94.47 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार की गई है।

इस योजना के तहत मंदिर परिसर का संरक्षण और सौंदर्यीकरण करने के साथ भव्य कॉरिडोर, आधुनिक जनसुविधा केंद्र, पार्किंग, घाटों का उन्नयन और श्रद्धालुओं के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएंगी। परियोजना पूरी होने के बाद यह क्षेत्र महाकाल लोक के बाद उज्जैन के प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्रों में शामिल होगा और सिंहस्थ- 2028 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए नया आकर्षण बनेगा। यूडीए द्वारा तैयार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के अनुसार मंदिर परिसर को उसकी प्राचीन धार्मिक पहचान के अनुरूप विकसित किया जाएगा। विकास कार्यों में परंपरागत स्थापत्य शैली और आधुनिक सुविधाओं का संतुलन रखा जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण के साथ बेहतर व्यवस्थाएं भी मिल सकें।

मंदिर तक पहुंचने वाले मार्गों को व्यवस्थित किया जाएगा और श्रद्धालुओं की आवाजाही को आसान बनाने के लिए यातायात प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। परियोजना का सबसे बड़ा उद्देश्य केवल मंदिर का सौंदर्यीकरण नहीं, बल्कि क्षिप्रा तट के इस पूरे क्षेत्र को एक व्यवस्थित धार्मिक परिसर के रूप में विकसित करना है। श्रद्धालुओं के लिए विशाल जनसुविधा केंद्र, प्रतीक्षालय, पेयजल, स्वच्छ शौचालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, आकर्षक लैंडस्केपिंग, हाईमास्ट लाइटिंग और सीसीटीवी आधारित सुरक्षा व्यवस्था विकसित की जाएगी। इससे पर्व, त्योहारों और सिंहस्थ के दौरान बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

लोकआस्था में "भूखी माता" शास्त्रों में "भोग माता"

उज्जैन में यह मंदिर सदियों से भूखी माता मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। लोककथाओं के अनुसार राजा विक्रमादित्य के समय देवी को प्रसन्न करने के लिए विशेष भोग अर्पित किए जाते थे। बाद में बलि की परंपरा समाप्त होने और महाभोग की परंपरा शुरू होने के कारण देवी को भोग माता अथवा भोगेश्वरी के नाम से भी पूजा जाने लगा। आज भी दोनों नाम समान श्रद्धा के साथ प्रचलित हैं और मंदिर लोकआस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। धार्मिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस परियोजना से केवल एक मंदिर का विकास नहीं होगा, बल्कि शिप्रा तट की सांस्कृतिक विरासत को भी नया संरक्षण मिलेगा। इससे उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं को महाकाल मंदिर और महाकाल लोक के अलावा शहर की अन्य प्राचीन धार्मिक धरोहरों तक भी सहज पहुंच मिलेगी।

12 से 18 माह में कार्य पूरा करने का लक्ष्य दिया जाएगा

उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी ने बताया कि भोग माता मंदिर परिसर का कायाकल्प सिंहस्थ-2028 की हमारी व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर रणनीति का अहम हिस्सा है। 94.47 करोड़ रुपये की यह योजना पौराणिक विरासत के संरक्षण के साथ आधुनिक नागरिक सुविधाओं का संतुलन स्थापित करेगी। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण एजेंसी को 12 से 18 माह में कार्य पूरा करने का लक्ष्य दिया जाएगा।

नियमों कों ताक पर रखकर पट्टे पर भूखंड लेकर व्यापारियों ने किराए पर चढा दिए

मजबूर मंडी प्रशासन, मजे में किराएदार

पट्टे की सालाना लीज हजारों में और किराए से कमाई हो रही लाखों में

पिछले लंबे समय से कार्रवाई करने में असमर्थ साबित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

कृषि उपज मंडी में हिंग लगे न फिटकरी और रंग चौखा की तर्ज का भी एक व्यापार चल रहा है। सालाना रूप से मात्र कुछ हजार रूपए की लीज पर मिले भूखंड से व्यापारी सालाना रूप से लाखों की घर बैठे आय कर रहे हैं। राजनैतिक रूप से दबाव में मजबूर मंडी प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहा है और किराएदार बनाम व्यापारी सालाना घर बैठे लाखों के वारे न्यारे कर रहा है। कृषि मंडी में पिछले कई दशकों से गैर कृषि व्यापार को लेकर आवाज उठती रही है। मंडी में अनाज कारोबार के लिए लीज पर मिलने वाले प्लाट को किराए पर चढाकर धंधे के रूप में इस्तेमाल करने की एक परंपरा सी चल पडी है जिस पर रोक लगाने में मंडी प्रशासन लंबें समय से ही मजबूर रहा है। हालात ऐसे हैं कि सतथ्य शिकायतों के बावजूद मामले को अनदेखा किया जा रहा है।

अनाज व्यवसाय का नाम किराए का काम

मंडी में अनाज कारोबार के नाम पर लीज पर भूखंड लिए जाते हैं। मंडी में पंजीयन के उपरांत ये खेल सा हो गया है। यहां विभिन्न आकारों में भूखंडों की लीज की दर सालाना रूप से अलग झअलग है। अधिकतम लीज 48 हजार के लगभग है। इसमें न्यूनतम आकार के भूखंडों के लिए लीज की दर भी अलग है और वह सालाना रूप से व्यवसायी से करीब इक्कीस हजार के लगभग बताई जा रही है।

ऐसे हो रहा लीज से किराए का कारोबार

मंडी प्रशासन से सालाना रूप से कुछ हजारों की लीज पर लिए गए भूखंडों को कतिपय व्यापारियों ने मासिक किराए पर उठा रखा है। इसकी जानकारी मंडी प्रशासन को भी लंबे समय से हैं। व्यापारी ने इन भूखंडों को बडी राशि में प्रति माह किराए पर दुसरे को चढा दिया है। ये राशि सालाना लीज की राशि से भी अधिक बताई जा रही है। ऐसे में व्यापारी सालाना किराए के रूप में लाखों रूपए के वारे न्यारे कर रहा है और मंडी प्रशासन को धैले के रूप में मात्र लीज रूपी कुछ हजार ही हासिल हो रहे हैं।

मजबूर मंडी प्रशासन, मजे में व्यापारी

कृषि उपज मंडी एक्ट के तहत यहां के परिसर में सिर्फ उपज खरीदी से संबंधित व्यापारी ही यहां भूखंड एवं दुकान ले सकता है। मंडी एक्ट के नियमों के उललंघन पर भुखंड एवं दुकान की लीज निरस्त करने के प्रावधान हैं। एक नहीं अनेक मामलों में मंडी प्रशासन के सामने ऐसे मामले आ चुके हैं जिनमें गैर कृषि संबंधित कार्य व्यापार एवं भूखंड एवं दुकानों के किराए पर उठाने के मामले हैं लेकिन राजनैतिक रूप से दबाव की स्थिति के चलते मंडी प्रशासन पिछले लंबे समय से कार्रवाई करने में असमर्थ साबित हो रहा है।

इंदौर लायी गई लगभग तीन लाख रुपए कीमत का 640 लीटर संदिग्ध घी जब्त

एक्सपायर्ड प्रीमिक्स मौके पर कराया नष्ट, 21 खाद्य नमूने जांच हेतु संग्रहित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निदेर्शानुसार प्रदेश में मिलावटी एवं अमानक खाद्य पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान सतत रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश के निदेर्शों तथा कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा 25 जुलाई 2026 को डेयरी उत्पादों एवं बाहरी राज्यों से इंदौर आने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु विशेष निरीक्षण एवं सैंपलिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान उच्च जोखिम श्रेणी के खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा विकसित जोखिम आधारित निरीक्षण प्रणाली है, जिसके माध्यम से उच्च जोखिम वाले खाद्य कारोबारों की नियमित एवं वैज्ञानिक निगरानी की जाती है तथा आवंटित निरीक्षण खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा संपन्न किए जाते हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा एसडीए कम्पाउण्ड, लसूड़िया मोरी, देवास नाका स्थित मेसर्स कृष इंटरप्राइजेज का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रोपराइटर श्री कृष्ण गोपाल अरोरा उपस्थित पाए गए। जांच के दौरान परिसर में गुजरात राज्य के पिपोदरा, मंगरोल (सूरत) स्थित श्री राधे डेरी फार्म एंड फूड्स लिमिटेड द्वारा निर्मित वास्तु ब्रांड के विभिन्न पैक आकार के घी का बड़े पैमाने पर भंडारण पाया गया।

मध्यप्रदेश का पहला डबल डेकर ब्रिज

लवकुश चौराहे की एक लेन शुरू, इंदौर-उज्जैन सफर होगा आसान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के सबसे व्यस्त चौराहों में शामिल लवकुश चौराहा अब शहर के सबसे आधुनिक ट्रैफिक इंटरचेंज के रूप में विकसित हो रहा है। करीब 175 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा प्रदेश का पहला डबल डेकर ब्रिज अंतिम चरण में है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दो दिन पहले इसकी एक लेन का शुभारंभ कर चुके हैं, जिससे एक ओर का यातायात आसान हो गया है। अब दूसरी लेन का निर्माण सितंबर 2026 तक पूरा होने का लक्ष्य है। इसके बाद उज्जैन रोड, एमआर-10, बाणगंगा, अरबिंदो अस्पताल, एयरपोर्ट और शहर के पश्चिमी हिस्से के बीच आवागमन पहले की तुलना में अधिक तेज और सुगम होगा।

2023 में शुरू हुआ था प्रोजेक्ट

आईडीए ने साल 2023 में इस प्रोजेक्ट का निर्माण शुरू कराया था। मेट्रो कॉरिडोर के साथ समन्वय, तकनीकी जटिलताओं और स्टील बो-स्ट्रिंग स्ट्रक्चर के निर्माण के कारण काम कई चरणों में पूरा किया गया। पहली लेन 23 जुलाई 2026 को शुरू हुई, जबकि दूसरी लेन सितंबर 2026 तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुभारंभ करते हुए कहा था- यह परियोजना सिंहस्थ-2028 के दौरान इंदौर-उज्जैन मार्ग पर बढ़ते यातायात को सुगम बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

भविष्य में ट्रैफिक का दबाव कम होने की उम्मीद

यह मध्य प्रदेश का पहला ऐसा डबल डेकर ब्रिज है, जहां सड़क, ब्रिज और मेट्रो एक ही कॉरिडोर (एमआर-10 रोड) पर अलग-अलग स्तर पर संचालित होंगे। नीचे सड़क यातायात और ऊपर मेट्रो ट्रैक रहेगा। सीमित स्थान में दोहरी परिवहन व्यवस्था विकसित होने से भविष्य में ट्रैफिक का दबाव कम होने की उम्मीद है।

हिंदुवादियों ने दबोचा लव जिहादी, मोबाइल से अश्लील फोटो वीडियो भी मिले

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर निवासी एक हिन्दू पीड़ित महिला को आरोपी जुबेर निवासी चंदन नगर पिछले तीन साल से ब्लैक मेलिंग कर धमकाता था ओर उसको परेशान करता था जब महिला ने शिकायत विहिप नेता तन्नू शर्मा को की तो आरोपी को सिरपुर गार्डन से लड़की के साथ अश्लील हरकत करते रंगे हाथों पकड़ा ओर थाना चंदन के सुपुर्द किया । आरोपी मैकेनिक हे ओर उसने कही हिन्दू लड़कियों को अपने प्रेम जाल में फसाया ओर उनकी अश्लील वीडियो फोटो लेकर ब्लेकमेलींग के साथ उनसे शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाता था जहां उसकी स्थानीय हिन्दू समाज के लोगों के साथ छोटे छोटे बच्चों ने भी जमकर पिटाई कर दी महिला ने अपनी बदनामी के डर से एफआईआर करने से मना कर दिया । वहीं बजरंगियों ने आरोपी जुबेर को थाना चंदन नगर सुपुर्द कर उसकी मोबाइल में अश्लील महिलाओं के फोटो वीडियो के साथ लव जिहाद में फंडिंग करने ओर कठोर से कठोर कारवाही की मांग की है।

श्रावण मास शुरू होने से पहले खाद्य विभाग आया अलर्ट मोड पर

मिलावटी दूध पर शिकंजा, डेयरियों में हो रही सैंपलिंग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

श्रावण मास की शुरूआत के साथ ही दूध और दुग्ध उत्पादों की मांग बढ़ने की संभावना को देखते हुए भोपाल में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने विशेष निगरानी शुरू कर दी है। आस्था के इस महीने में श्रद्धालुओं तक शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ पहुंचें, इसके लिए शहरभर की डेयरियों और दुग्ध विक्रय प्रतिष्ठानों पर लगातार जांच की जा रही है। अभियान के तहत दूध, दही, पनीर, घी, मावा और मिक्स मिल्क के नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

विशेष अभियान के दौरान कोलार रोड, जहांगीराबाद, अशोका गार्डन, अरेरा कॉलोनी और बागसेवनिया सहित शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में स्थित 8 डेयरियों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान दूध, दही, पनीर, घी, मावा और मिक्स मिल्क सहित 17 खाद्य नमूने एकत्र किए गए। इन सभी नमूनों की गुणवत्ता और शुद्धता की जांच प्रयोगशाला में की जाएगी।

श्रावण में बढ़ जाती है दूध और दुग्ध उत्पादों की खपत

श्रावण मास में व्रत, पूजा-अर्चना, अभिषेक और धार्मिक आयोजनों के कारण दूध एवं दुग्ध उत्पादों की मांग सामान्य दिनों की तुलना में काफी बढ़ जाती है। ऐसे समय में मिलावट की आशंका भी बढ़ जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने पहले से ही निगरानी तेज कर दी है, ताकि लोगों की आस्था और स्वास्थ्य दोनों सुरक्षित रह सकें।

गड़बड़ी मिलने पर होगी सख्त कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि किसी भी नमूने में मिलावट, गुणवत्ता में कमी या निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित कारोबारी के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

लोगों से भी मांगा सहयोग- विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं मिलावटी या अस्वच्छ खाद्य पदार्थों की बिक्री की जानकारी मिले तो उसकी सूचना तत्काल खाद्य सुरक्षा विभाग को दें।

घर बैठे डॉक्टर्स परामर्श सेवा के हेल्प लाईन नंबर से खराब होने की सूचना मिल रही

आमजन हो रहे परेशान, सेवा बंद होने को लेकर नहीं मिल रही जानकारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

घर बैठे चिकित्सक से परामर्श लेने की योजना का हेल्पलाईन नंबर लगाने पर सूचना दी जा रही है कि यह नंबर अभी खराब है। इससे आमजन चिकित्सकों के परामर्श के इंतजार में हैं,जबकि स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों का कहना है कि बजट अभाव में योजना को ही बंद कर दिया गया है। करीब 6 साल यह योजना आमजन के लिए चलाई जाना सामने आ रहा है। अस्पष्ट जानकारी के कारण इससे लोगों को परेशानी हो रही है और लोग हेल्प लाईन नंबर के ठीक होने का इंतजार कर रहे हैं।

कोरोना कॉल में प्रारंभ की गई इस योजना में शुरूआती दौर में प्रतिदिन करीब 500 मरीज इस सुविधा का उपयोग करते थे, लेकिन बाद के समय में यह संख्या घटकर 30-40 कॉल प्रतिदिन रह गई । स्वास्थ्य विभाग सूत्रों के अनुसार, ऑनलाइन पोर्टल, मोबाइल एप और अस्पतालों में डिजिटल पंजीयन बढ़ने से हेल्पलाइन की उपयोगिता कम हो गई। इसके साथ सेवा संचालन की लागत और बजट में कमी भी इसे बंद करने की वजह है। कोविड के बाद शुरू हुई यह सेवा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, देवास और सीहोर सहित कई जिलों में संचालित थी। स्वास्थ्य विभाग सूत्रों का कहना है कि ग्रामीण और बुजुर्ग आबादी अभी पूरी तरह डिजिटल सेवाओं के लिए तैयार नहीं है। यह सेवा बिल क्लिंटन फाउंडेशन की मदद से संचालित हो रही थी। विशेषज्ञों के अनुसार, स्वास्थ्य सेवाएं तेजी से डिजिटल हो रही हैं। अब अधिकांश अस्पतालों में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली और डिजिटल ओपीडी सिस्टम लागू हैं। कई बार टोकन जनरेट होने के बाद भी पर्चा बनवाने के लिए लाइन में लगना पड़ता है।

30 जून से ही बंद हुई

राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (एसएचए) के हेल्पलाइन नंबर 18002332085 आधारित अपॉइंटमेंट सेवा चल रही थी। सूत्रों के अनुसार इसे बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकारी अस्पतालों में फोन कॉल के जरिए डॉक्टरों की उपलब्धता, अस्पताल सेवाओं की जानकारी और ओपीडी अपॉइंटमेंट लेने की सुविधा भी समाप्त हो गई है। हेल्प लाईन पर संपर्क किए जाने पर यह नंबर खराब बता रहा है इससे संपर्क करने वाले गफलत में आ रहे हैं,जबकि इस सेवा को ही बंद कर दिया है। अस्पष्ट संदेश के फेर में आमजन को परेशानी हो रही है।

सादगी से जीने के लिए बुनियादी जरूरतें पूरी करें

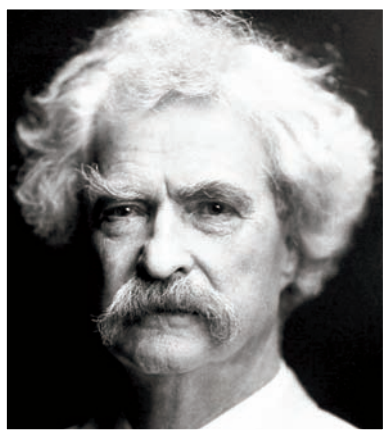

जैसे सिक्के हमेशा खनकते हैं, शोर मचाते हैं, लेकिन नोट हमेशा शांत रहते हैं। बिल्कुल वैसे ही कीमत या अहमियत बढ़ने लगे, तो दिखावा करने के बजाय सादा, शांत और मौन रहना सीखिए। बापू कहते थे, अमीर को सदा सादगी से रहना चाहिए, ताकि गरीब सादा जीवन आसानी से जी सकें। साहित्यकार मार्क ट्वेन का मानना है कि एक शांत अंतःकरण ही आदर्श जीवन का जनक है। लेकिन सादगी और सरलता के बिना शांत अंतःकरण प्राप्त नहीं हो सकता। विख्यात चित्रकार लियोनार्डो द विंची के शब्दों में, सादगी परम जटिलता है। साधारण बनना ही सबसे असाधारण होता है, और यह सिर्फ समझदार व्यक्ति ही जान पाता है। भारतीय संस्कृति हमेशा से सादा जीवन, उच्च विचार की सीख देती है। आंखें भले आसमान पर टिकाएं, लेकिन पैर जमीन पर रखें। बुनियादी जरूरतें पूरी करें, इच्छाओं के पीछे न भागें। इसे एक बोध-कथा से समझ सकते हैं। एक सुबह लोमड़ी आंखें मलती उठी। उसकी पूंछ उगते हुए सूरज की ओर थी। छाया सामने पड़ रही थी। छाया की लंबाई-चौड़ाई देखकर लोमड़ी को लगा कि वह इतनी बड़ी है कि अब हाथी को खाए बगैर उसका पेट नहीं भरेगा। सो, हाथी का शिकार करने के लिए जंगल में दौड़ने-फिरने लगी। दोपहर हो गई, सफलता न मिली। थक-हारकर जमीन पर बैठ सुस्ताने लगी। उसकी छाया सिमटकर पेट के नीचे आ गई थी। लोमड़ी का चिंतन बदल गया। अब उसने सोचा कि इतने छोटे आकार के लिए छोटा खरगोश ही काफी है। आशय यह है कि जैसे-जैसे इच्छाएं जरूरतों में तब्दील होती हैं, वैसे-वैसे इंसान सादगी से जीना सीख लेता है।

सम्पादकीय

प्रकृति से छेड़छाड़ का परिणाम

बचपन के स्कूली जीवन में बरसात आने पर किश्तियां बना कर चलाने की यादें खत्म हो गईं। पहाड़ों पर भूस्खलन से लोगों के मरने की घटनाएं सुर्खियां बन रही हैं। मैदानी इलाकों में मानसून रूठ रहा है। वैज्ञानिक इसे जलवायु परिवर्तन बता रहे हैं लेकिन भारत के लिए प्रकृति का बदलाव एक गंभीर खतरे की घंटी बजा रहा है। सच यही है कि भारत का मानसून हमेशा से देश की कृषि, अर्थव्यवस्था और जल संसाधनों की जीवनरेखा रहा है लेकिन पिछले एक दशक में मानसून का स्वरूप तेजी से बदलता दिखाई दे रहा है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर जैसे पर्वतीय राज्यों में बार-बार बादल फटने, भूस्खलन और अचानक बाढ़ की घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं दूसरी ओर पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य भारत के कई मैदानी क्षेत्रों में सामान्य से कम वर्षा या लंबे सूखे अंतराल देखने को मिल रहे हैं। यह स्थिति बताती है कि अब बारिश समान रूप से नहीं हो रही, बल्कि बहुत कम समय में अत्यधिक वर्षा के रूप में हो रही है।

परिणाम यह है कि मानवीय नुक्सान हो रहा है जिसे रोकना होगा। मौसम का मिजाज बदल रहा है। वर्षा जरूरत से कम या ज्यादा हो रही है। यही स्थिति बादल फटने और फ्लैश फ्लड का कारण बनती है। दूसरी ओर, कई मैदानी क्षेत्रों तक पर्याप्त नमी नहीं पहुंच पाती या मानसून की हवाएं कमजोर पड़ जाती हैं। परिणामस्वरूप कहीं अत्यधिक वर्षा और कहीं वर्षा की कमी देखने को मिलती है। प्राकृतिक संसाधनों विशेष रूप से पहाड़ों में छेड़छाड़ तथा समुद्र में नए-नए प्रयोग जलवायु को प्रभावित कर रहे हैं। हिमालय विश्व की सबसे युवा पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यहां की चट्टानें अभी भी पूरी तरह स्थिर नहीं हैं। भारी वर्षा होने पर मिट्टी और चट्टानें आसानी से खिसक जाती हैं। यदि प्राकृतिक ढलानों के साथ छेड़छाड़ हो तो जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड प्राकृतिक छेड़छाड़ में नए-नए प्रयोग जलवायु को प्रभावित कर रहे हैं। रिपोर्टें बताती हैं कि पिछले कुछ वर्षों में हिमालयी राज्यों में तेजी से सड़क निर्माण, सुरंगें, होटल, रिसॉर्ट और चारधाम जैसी बड़ी परियोजनाएं विकसित हुई हैं। विकास आवश्यक है लेकिन यदि पर्यावरणीय संतुलन की अनदेखी हो तो उसके गंभीर परिणाम सामने आते हैं। पहाड़ों की कटाई, विस्फोटकों का उपयोग, जंगलों की कटाई और नदी किनारों पर निर्माण कार्य मिट्टी की पकड़ कमजोर कर देते हैं।

मूल समस्या हल करना होगी

क्या धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से शिक्षा व्यवस्था सुधरेगी?

डॉ सत्यवान सौरभ
(दैनिक अवन्तिका)

भारत की शिक्षा व्यवस्था आज जिस मोड़ पर खड़ी है, वहाँ समस्या किसी एक व्यक्ति या किसी एक मंत्रालय तक सीमित नहीं है। यह एक बहुस्तरीय संकट है, जिसमें नीतिगत अस्पष्टता, कार्यान्वयन की कमजोरी, संसाधनों की कमी, शिक्षक-प्रशिक्षण की चुनौती, परीक्षा-केंद्रित सोच और सामाजिक-आर्थिक असमानता–एक साथ मौजूद हैं। इसलिए जब यह सवाल उठता है कि क्या केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से शिक्षा व्यवस्था सुधर जाएगी, तो इसका उत्तर केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि संस्थागत और संरचनात्मक भी होना चाहिए। सच यह है कि केवल मंत्री बदल देने से शिक्षा व्यवस्था अपने-आप नहीं सुधरती; सुधार तब होता है जब नीति, नीयत, निवेश और निष्पादन, चारों एक दिशा में काम करें।

भारत में शिक्षा को लंबे समय से नीति से अधिक घोषणा के स्तर पर देखा गया है। हर सरकार शिक्षा सुधार की बात करती है, लेकिन जमीन पर परिवर्तन की गति बहुत धीमी रहती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारत की शिक्षा प्रणाली को एक नई दिशा देने का वादा किया था–समग्र शिक्षा, मातृभाषा आधारित प्रारंभिक शिक्षा, कौशल-विकास, बहुविषयी अध्ययन, डिजिटल लर्निंग और शोध-उन्मुख उच्च शिक्षा। कागज पर यह नीति अत्यंत महत्त्वाकांक्षी है। परंतु महत्त्वाकांक्षा और प्रभावी क्रियान्वयन के बीच अक्सर बहुत बड़ा अंतर रह जाता है। यही वह अंतर है, जहाँ किसी भी शिक्षा मंत्री की असली परीक्षा होती है।

धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल को देखें तो यह स्पष्ट होता है कि उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आगे बढ़ाने, बहुभाषी शिक्षा पर बल देने, कौशल विकास को प्राथमिकता देने, डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहन देने और उच्च शिक्षा को अधिक लचीला बनाने की दिशा में कदम उठाए। यह कहना गलत होगा कि उनके कार्यकाल में कुछ नहीं हुआ। बहुत-सी योजनाएँ आगे बढ़ीं, संवाद बढ़ा, और शिक्षा पर राष्ट्रीय बहस तेज हुई। लेकिन साथ ही यह भी सच है कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था की मूल समस्याएँ जस की तस बनी रहीं। सरकारी विद्यालयों में गुणवत्ता का अंतर, ग्रामीण-शहरी असमानता, शिक्षकों की कमी, परीक्षा-प्रधान संस्कृति, और कोचिंग-निर्भरता–ये सभी समस्याएँ अब भी गहरी हैं। इसी संदर्भ में यह समझना आवश्यक है कि शिक्षा मंत्री की भूमिका क्या होती है। शिक्षा मंत्री न तो अकेले स्कूलों की गुणवत्ता सुधार सकता है, न ही विश्वविद्यालयों की शोध-क्षमता बढ़ा सकता है, और न ही एक झटके में करोड़ों विद्यार्थियों की सीखने की स्थिति बदल सकता है। उसकी भूमिका मुख्यतः नीति-निर्माण, समन्वय, बजट प्राथमिकता, संस्थागत निगरानी और राज्यों के साथ सहयोग की होती है। यदि ये पाँचों काम बेहतर हों, तो शिक्षा में सुधार की संभावना बढ़ती है। लेकिन यदि केवल चेहरा बदल दिया जाए और नीतिगत ढाँचा वही रहे, तो परिणाम सीमित ही रहेंगे।

भारत की शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह बराबरी का अवसर नहीं दे पाती। एक ओर महानगरों के निजी स्कूल और महंगे संस्थान हैं, जहाँ सुविधाएँ और अवसर अपेक्षाकृत अधिक हैं; दूसरी ओर सरकारी स्कूल और दूरस्थ ग्रामीण इलाके हैं, जहाँ बुनियादी ढाँचे, प्रशिक्षित शिक्षकों और डिजिटल संसाधनों की भारी कमी है। इस असमानता को कोई एक मंत्री, चाहे वह धर्मेंद्र प्रधान हों या कोई और, अकेले समाप्त नहीं कर सकता। इसके लिए लंबे समय तक चलने वाली राज्य-नीति, केंद्र-राज्य समन्वय और सामाजिक निवेश की आवश्यकता होती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत में शिक्षा सुधार का प्रश्न सिर्फ प्रशासनिक नहीं, वैचारिक भी है। दशकों से हमारी शिक्षा प्रणाली परीक्षा पास कराने वाली मशीन के रूप में देखी जाती रही है, न कि सोच विकसित करने वाले माध्यम के रूप में। रटंत शिक्षा ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमता को सीमित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस प्रवृत्ति को बदलना चाहती है, लेकिन बदलाव केवल दस्तावेजों से नहीं आता। इसके लिए पाठ्यक्रम, मूल्यांकन, शिक्षक-प्रशिक्षण और कक्षा-स्तरीय व्यवहार में परिवर्तन चाहिए। यही वह बिंदु है जहाँ सुधारों का वास्तविक परीक्षण होता है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करने वालों का तर्क यह हो सकता है कि नेतृत्व परिवर्तन से जवाबदेही बढ़ती है और नई ऊर्जा आती है। यह तर्क आंशिक रूप से सही भी है। किसी भी मंत्रालय में नेतृत्व की शैली, प्राथमिकताएँ और कार्य-संस्कृति महत्वपूर्ण होती हैं। यदि किसी मंत्री के कार्यकाल में संवाद कमजोर हो, नीतियों के परिणाम धीमे हों, या जमीनी स्तर की शिकायतों पर अपेक्षित ध्यान न दिया जाए, तो बदलाव की आवश्यकता महसूस होती है। लेकिन यहाँ भी प्रश्न यही है कि क्या बदलाव व्यक्ति में चाहिए या व्यवस्था में। यदि सिस्टम ही कमजोर हो, तो नया मंत्री भी उसी ढाँचे में काम करेगा। इसलिए इस्तीफा केवल राजनीतिक प्रतीक बन सकता है, समाधान नहीं।

सच यह है कि शिक्षा सुधार की असली कुंजी बजट और क्रियान्वयन में छिपी है। भारत की शिक्षा पर सार्वजनिक निवेश लंबे समय से अपेक्षाकृत कम रहा है। कई बार घोषणाएँ बड़ी होती हैं, लेकिन विद्यालयों की मरम्मत, प्रयोगशालाओं की स्थापना, पुस्तकालयों का विकास, छात्रवृत्ति वितरण, शिक्षक नियुक्तियाँ और डिजिटल पहुँच जैसे मूलभूत मुद्दे पीछे रह जाते हैं। यदि सरकार शिक्षा को वास्तव में प्राथमिकता देना चाहती है, तो उसे केवल नीति दस्तावेज नहीं, बल्कि वित्तीय प्रतिबद्धता भी बढ़ानी होगी। शिक्षा वह क्षेत्र है, जहाँ खर्च को बोझ नहीं, निवेश मानना चाहिए।

शिक्षक इस पूरी व्यवस्था की रीढ़ हैं। लेकिन भारत में शिक्षकों की स्थिति खुद संकटग्रस्त है। कई स्कूलों में शिक्षक-रिक्तियाँ हैं, कई जगह एक शिक्षक पर अनेक कक्षाओं का बोझ है, और कई संस्थानों में शिक्षक-प्रशिक्षण पुराना और अप्रासंगिक है। जब तक शिक्षक सक्षम, सम्मानित और प्रशिक्षित नहीं होंगे, तब तक कोई भी शिक्षा सुधार सीमित रहेगा। मंत्री बदलने से यह समस्या समाप्त नहीं होगी। इसके लिए सेवा-शर्तों में सुधार, प्रशिक्षण में गुणवत्ता, और शिक्षकीय पेशे को प्रतिष्ठा देने की जरूरत है।

डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन उनकी सीमाएँ भी सामने आईं। महामारी के दौरान डिजिटल लर्निंग की उपयोगिता स्पष्ट हुई, पर यह भी उजागर हुआ कि देश के बड़े हिस्से में इंटरनेट, उपकरण और डिजिटल साक्षरता की भारी कमी है।

गोलगप्पों के बहाने

हमारे देश में शोध करने के लिए जेएनयू या डीयू जाने की कोई जरूरत नहीं है। असली रिसर्च तो मोहल्ले के उस चौराहे पर होती है जहां एक तरफ नगर निगम का बारहमासी नाला अपनी पूरी सुगन्ध के साथ बहता है और दूसरी तरफ से धूल के बवंडर आते-जाते वीआईपी लोगों का स्वागत करते हैं। इसी दिव्य संगम के बीचों बीच खड़े होते हैं हमारे गोलगप्पा उस्ताद जिन्हें हम प्यार से फुचका साईंटिस्ट भी कह सकते हैं। गौर से देखिए तो इस दुकान का पूरा भूगोल ही मोक्ष की राह दिखाता है। नाले से आती उस चिर-परिचित महक को लोग ऐसे नजरअंदाज करते हैं मानो वह कोई वीआईपी बदबू न होकर सीधे स्वर्ग से उतरी पारिजात की खुशबू हो। लोग वहां जाकर ऐसे खड़े हो जाते हैं जैसे किसी दिव्य संत के दरबार में मुक्ति की भीख मांग रहे हों। अपनी स्टील की छोटी सी कटोरी को दोनों हाथों से ऐसे थामते हैं जैसे उसमें गंगाजल अमृत बनकर गिरने वाला हो। उस्ताद अपने अंगूठे से उस उबले हुए आलू को कसमसाते हैं और फिर उसे तीखे पानी के गहरे समंदर में डुबोकर जब बाहर निकालते हैं तो लाइन में खड़े हर इंसान की लार टपकने लगती है। वहां खड़ा हर व्यक्ति अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा भूलकर बस इसी जुगाड़ में रहता है कि अगला नंबर उसका ही हो।

इस अद्भुत दरबार का पहला नियम है कि आपको अपनी जीभ के साथ-साथ अपने आत्मसम्मान को भी दांव पर लगाना पड़ता है। एक दिन रमेश बाबू अपनी नई नवेली दुल्हन के साथ वहां पहुंचे और बोले ₹भैया जरा हाइजीनिक तरीके से खिलाना।₹ उस्ताद ने उन्हें पैर के नाखून से लेकर सिर के बाल तक ऐसे घूरकर देखा जैसे किसी ने चांद पर थूकने की हिमाकत कर दी हो। उस्ताद ने अपनी मैली सी गंजी के कोने से हाथ पोंछा और कड़क आवाज में बोले ₹साहब यह स्वाद तो इसी नाले की हवा और चौराहे की धूल से आता है। अगर ज्यादा फिल्टर चाहिए तो सामने वाले मॉल में जाकर प्लास्टिक का गोलगप्पा चबाइए।₹ रमेश बाबू की पत्नी ने तुरंत उनके कुर्ते को खींचकर फुसफुसाया अरे तुम चुप रहो ना यार।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 27 जुलाई 2026 सोमवार
सूर्योदय - 05:59 सूर्यास्त 19:07
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 07:30 से 09:00 तक
तिथि - त्रयोदशी 16:15 उपरांत चतुर्दशी
नक्षत्र - मूल 10:29 उपरांत पूर्वाषाढा
योग - वैधृति 22:55 उपरांत विष्कुंभ
करण - तैतिल
चन्द्रमा - दिन पूर्ण धनु में रहेगा।
मुस्लिम मास - सावान मास 12 तारिख

मेष- निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

वृषभ- किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन- व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। विवाद से क्लेश संभव है।

कर्क- कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

सिंह- नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी।

कन्या- कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला- कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे।

वृश्चिक- कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

धनु- स्त्री पक्ष से लाभ होगा। अज्ञात भय रहेगा। शत्रु परास्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी।

मकर- लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ- पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन- चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे। घर में तनाव रह सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा।

समसामयिक

विक्रमोर्वशीय में लोक जीवन का चित्रण

भगवती प्रसाद गेहलोत
(दैनिक अवन्तिका)

किसी भी कवि लेखक की रचना लोक जीवन के उल्लेख के बिना अधूरी है । उसकी रचना में में लोक जीवन का समावेश नहीं होता तो लोक का ध्यान उसकी ओर आकृष्ट नहीं होता वह सार्थक नहीं हो पाती। लोक में उसे रुचिकर स्थान प्राप्त नहीं हो पाता। लोक जीवन से जुड़े बिना न उसमें रस आता न आकर्षण पैदा होता। हर रचना लोक के हृदय मन को टटोलती जरूर है। महाकवि कालिदास की रचनाओं में लोक जीवन बिखरा पड़ा है । उसी प्रकार उनकी एक रचना है विक्रमोर्वशीयम ।

महाकवि कालिदास विरचित विक्रमोर्वशीयम त्रोटक पाँच अंको में समाहित है तथा इसे दिव्य एवं मानुषी पात्रों का से संजोया गया है । इसमें श्रृंगार रस रस की प्रधानता है। इसमें कवि ने यौवन की उद्दाम वासना-जन्य विरह में व्याकुल पुरुष को व्यथित कर देने वाले प्रेम का निरूपण किया है। कथा का आधार राजा पुरुरवा और अप्सरा उर्वशी का प्रणय है। प्रथम दृष्टि में मह राजसी-स्वर्गीय कथा लगती है, परन्तु सूक्ष्म अध्ययन. करने पर ज्ञात होता है कि कालिदास ने इसमें गुप्तकालीन मान्यताएं लोक विश्वास, प्रकृति-चेतना, लोकभाषा, राज धर्म , सौंदर्य और जन सामान्य की मनोभावनाओं को अत्यंत कुशलता-रोचकता से गूंथा है। लोक जीवन में जो घटित होता है वह इस त्रोटक में घटित हुआ है।

लोक जीवन की अवधारणा और कालिदास - लोक का अर्थ केवल ग्राम-नगर ही नहीं होता अपितु तत्कालीन समाज जीवन पद्धति की सामूहिक चेतना होता है । इसमें सुपरंपराएँ, विश्वास, रीति-रिवाज, भाषा, प्रकृति संबंध और नैतिक मूल्य आते हैं। कालिदास अभिजात कवि होते हुए भी जन हृदय के पारखी थे।

विक्रमोर्वशीयम् का चतुर्थ अंक इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। इतना ही नहीं इसके सभी अंकों में इसका प्रभाव दिखाई देता है।

प्रकृति का मानवीकरण : विरही लोक मन का दर्पण - भारतीय लोक मानस में दुःख के क्षणों में प्रकृति को सजीव मानकर उस से बात करने की परंपरा रही है। विरही-विहरिणियों का कोयल, पपीहा , बादल से संदेश भेजना लोक गीतों का प्रिय विषय है। कालिदास ने इस लोक भाव को राजा पुरुरवा के माध्यम से अभिव्यक्त किया है। चतुर्थ अंक में उर्वशी लता रूप में परिवर्तित हो जाने पर पुरुरवा उन्मत्त होकर वन-वन भटकता है। वह मयूर , कोकिल, हंस, चक्रवाक, कृष्णसार मृग, गजराज आदि से उर्वशी का पता पूछता है -

श्लोक साक्ष्य - मयूर से प्रश्न अंक 4 श्लोक 20

बर्हिण त्वामित्यभ्यर्थये आचक्ष्व में तत

अत्र वने भ्रमता यदि त्वया दृष्टा सा ममकान्ता।

अरे मोर! मैं तुमसे यह प्रार्थना करता हूं कि इस वन में घूमते हुए तुमने कहीं मेरी प्रिया को देखा है तो मुझसेकहो।

कथमदत्वा प्रतिवचनं नर्तितुं प्रवृतः ? किं नु खलु हर्षकारणमस्य (विचिन्त्य) भवतु, विदितमेतत.।

- अरे मेरे वचनों का उत्तर न देकर नाचना क्यों क्यों प्रारंभ कर दिया? निश्चय ही इसकी प्रसन्नता का कारण क्या हो सकता है?

(सोचकर) अच्छा, ज्ञात हो गया।

नाचते मोर को देखकर राजा का प्रश्न लोक कौतुहल है । गाँवों में आज भी मोर के नाचने को वर्षा का शकुन माना जाता है। राजा का यह प्रश्न बताता है कि शास्त्रज्ञ होते हुए भी वह लोक विश्वासों से जुड़ा है साथ ही उसके पंखों को लेकर उर्वशी के बारे में अनुमान लगाता है।

नारे नहीं,राष्ट्र चाहिए : नीट विवाद और व्यवस्था परिवर्तन का समय

अमित राव
(दैनिक अवन्तिका)

किसी भी राष्ट्र का भविष्य संसदों में जितना तय होता है,उससे कहीं अधिक उन परीक्षा-कक्षों में निर्धारित होता है,जहाँ करोड़ों युवा अपने श्रम, संयम और स्वप्नों के साथ बैठते हैं। वहाँ केवल प्रश्नपत्र नहीं खुलते, वहाँ भविष्य के चिकित्सक,वैज्ञानिक, शिक्षक और राष्ट्रनिमार्ता आकार लेते हैं। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय परीक्षा की पवित्रता पर प्रश्न उठता है,तब आहत केवल एक परीक्षा नहीं होती,घायल राष्ट्र का विश्वास होता है। भारत की संस्कृति ने ज्ञान को कभी व्यापार नहीं माना। हमारे यहाँ विद्या को सरस्वती कहा गया,क्योंकि वह केवल जीविका का साधन नहीं,जीवन का संस्कार है। नालंदा और तक्षशिला की परंपरा से लेकर आधुनिक भारत की प्रतियोगी परीक्षाओं तक एक सूत्र निरंतर दिखाई देता है प्रतिभा का सम्मान। यदि यह सूत्र टूटता है,तो केवल व्यवस्था नहीं टूटती,समाज का नैतिक संतुलन भी डगमगा जाता है। नीट विवाद इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। स्वाभाविक है कि जब लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी परीक्षा पर प्रश्न उठे,तब समाज में आक्रोश उत्पन्न हो। लोकतंत्र में यह आक्रोश अस्वाभाविक नहीं,बल्कि जनचेतना का परिचायक है। किंतु भारत की सभ्यता ने हमें एक और शिक्षा दी है निर्णय से पहले तथ्य,प्रतिक्रिया से पहले विवेक और संघर्ष से पहले आत्ममंथन। प्रश्न यह नहीं कि विरोध क्यों हुआ। प्रश्न यह है कि विरोध का अंतिम लक्ष्य क्या है? यदि उद्देश्य दोषियों को दंड दिलाना है,तो पूरा राष्ट्र एक स्वर में उसके साथ खड़ा होगा। यदि उद्देश्य परीक्षा व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाना है,तो यह प्रत्येक विद्यार्थी का अधिकार है। यदि उद्देश्य ऐसी तकनीकी व्यवस्था विकसित करना है जिसमें संगठित पेपर लीक लगभग असंभव हो जाए,तो उसका स्वागत होना चाहिए। किंतु यदि विमर्श केवल व्यक्तियों के इर्द-गिर्द सिमट जाए और व्यवस्था परिवर्तन पीछे छूट जाए,तो हम मूल समस्या से दूर चले जाएँगे। इतिहास हमें सिखाता है कि सभ्यताएँ व्यक्ति-पूजा से नहीं, संस्थाओं की मजबूती से आगे बढ़ती हैं। सम्राट बदलते रहे,राजवंश बदलते रहे,पर हिंदुस्थान इसलिए जीवित रहा क्योंकि उसकी आत्मा संस्थाओं,मूल्यों और समाज की चेतना में बसती रही। आज भी यही कसौटी है।पेपर लीक कोई आकस्मिक घटना नहीं है। वर्षों से देश के विभिन्न हिस्सों में भर्ती परीक्षाओं और प्रवेश परीक्षाओं को लेकर अनियमितताओं की खबरें सामने आती रही हैं। इससे स्पष्ट है कि समस्या किसी एक परीक्षा या एक सरकार तक सीमित नहीं है। यह उस विकृत मानसिकता का परिणाम है,जिसने शिक्षा को साधना के स्थान पर सौदे का माध्यम बना दिया। जहाँ प्रतिभा बिकने लगे और परिश्रम हारने लगे,वहाँ केवल छात्र नहीं हारते,राष्ट्र हारता है।

इसीलिए आवश्यकता किसी एक व्यक्ति को कटघरे में खड़ा करने से अधिक उस पूरे तंत्र को समाप्त करने की है,जो ईमानदार युवाओं के सपनों पर आघात करता है। यदि जांच में कोई अधिकारी,कर्मचारी,दलाल,कोचिंग संचालक या अन्य व्यक्ति दोषी सिद्ध होता है,तो उसके विरुद्ध कानून का सबसे कठोर प्रावधान लागू होना चाहिए। न्याय का धर्म व्यक्ति नहीं, अपराध देखता है। आज भारत अमृतकाल की यात्रा पर है। विकसित भारत का स्वप्न केवल राजमार्गों,डिजिटल अर्थव्यवस्था और अंतरिक्ष अभियानों से पूरा नहीं होगा। वह तभी साकार होगा जब देश का प्रत्येक युवा यह विश्वास कर सके कि उसकी सफलता का एकमात्र आधार उसकी प्रतिभा और परिश्रम है। यही विश्वास किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होता है। इस संदर्भ में परीक्षा प्रणाली में तकनीकी सुधारों पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

धर्म-आस्था

क्या अँधेरे में या बिस्तर पर मंत्र जाप करना सही है?

मंत्र जाप का उद्देश्य मन को एकाग्र करना और ईश्वर से जुड़ना है। इसके लिए वातावरण और आसन का बड़ा महत्व होता है। लेकिन कई बार लोग सोते हुए बिस्तर पर या अँधेरे में मंत्र जाप करते हैं। ऐसे में, मन में यह सवाल तो जरूर आता होगा कि ऐसे मंत्र जाप करना सही है या नहीं। कुछ लोग लेटकर भी माला से जाप करते हैं, तो क्या वह भी सही है?

मंत्र जाप से मन को शांति, एकाग्रता और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है। लेकिन कई बार मंत्र जाप करते वक्त हम परिस्थितियों पर ध्यान नहीं देते। कभी हम सोते वक्त बिस्तर पर मंत्र जाप कर लेते हैं, तो कई बार अँधेरे में। लेकिन क्या ऐसा करना सही है? क्या इससे जुड़े कुछ नियम है? क्या बिस्तर पर लेटकर मंत्र जाप किया जा सकता है? चलिए जानते हैं...क्या अँधेरे में मंत्र जाप किया जा सकता है?

सामान्य रूप से अँधेरे में भी मंत्र जाप किया जा सकता है लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप कौन सा मंत्र का जाप कर रहे हैं। जानकारों के अनुसार, तामसिक या उच्च ऊर्जा अथवा शक्ति वाले मंत्रों का जाप अँधेरे में नहीं करना चाहिये। अन्धेरा नकारात्मकता और तामसिकता का प्रतीक होता है। ऐसे में कई मंत्र की ऊर्जा प्रभावित हो सकती है। अगर मंत्र सरल और दैनिक जीवन में जपने वाला हो, तो आप अँधेरे में जप सकते हैं। हालाँकि, पूजा-पाठ और नियमित साधना के लिए शास्त्र स्वच्छ, शांत और प्रकाशयुक्त स्थान को अधिक उपयुक्त माना जाता है। दीपक या दीप ज्योति के सामने बैठकर मंत्र जाप करने से मन अधिक एकाग्र होता है और साधना का वातावरण भी पवित्र बनता है। यदि रात में या बिजली न होने के कारण अँधेरा हो, तब भी श्रद्धा के साथ किया गया मंत्र जाप स्वीकार्य माना जाता है। लेकिन अँधेरे में ध्यान भटक सकता है और मन स्थिर नहीं रहता। शास्त्रों के अनुसार, मंत्र जाप स्वच्छ आसन पर बैठकर, दीपक या प्राकृतिक प्रकाश में करना श्रेष्ठ माना गया है।

कई बार लोग सोते वक्त मंत्र जाप करते हैं। जानकारों के अनुसार बिस्तर पर लेटकर मंत्र जाप करने से मन जल्दी थक जाता है और नींद आने लगती है। ज्योतिष में कई ग्रहीय दोषों से बचने के लिए भी बिस्तर पर मंत्र जाप से मना किया जाता है। लेकिन यदि स्वास्थ्य कारणों से बैठना कठिन हो, तो बिस्तर पर भी जाप किया जा सकता है, लेकिन मन को सजग और एकाग्र रखना आवश्यक है। अगर आप स्वस्थ हैं, तो बेहतर है कि आप किसी स्वस्थ स्थान पर आसन लगाकर ही मंत्र जाप करें क्योंकि बिस्तर पर जाप करने से लाभ कम हो जाता है और मन जल्दी विचलित हो सकता है। कुशासन, ऊनी आसन या स्वच्छ चटाई पर बैठकर सीधी रीढ़ के साथ मंत्र जाप करने से मन स्थिर रहता है और नींद आने की संभावना कम होती है। हालांकि, अगर कोई सोने से पहले भगवान का नाम स्मरण करता है या सुबह उठते ही ईश्वर का ध्यान करता है, तो ऐसी परिस्थितियों में भगवान का नाम लेना या मानसिक रूप से मंत्र का स्मरण करना पूर्णतः स्वीकार्य है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6300 से 6350 विशाल 6050 से 6150 मसूर 6000 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9500 से 9900 उड़द गर्मी 8800 से 9500 ग्रेविटी क्लीन 10000 से 10200 हल्का उड़द 4000 से 6000 काबुली डॉलर 7200 से 8500 काबुली रशियन 5800 बिटकी 5200 से 5300 सरसों निमाड़ी 7800 से 8100 रायडा 7000 से 7100 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 7200 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकवन 2750 से 2800 पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7700 से तुअर दाल 7400 से 7600 मूंग दाल 8800 से 8900 बेस्ट 9000 से 9100 मूंग मोगर 10900 से 11000 बेस्ट 11100 से 11200 उड़द दाल 10800 से 11000 बेस्ट 11100 से 11200 उड़द मोगर 12000 से 12300 बेस्ट 12400 से 12700 मसूर दाल 7950 से 8050 बेस्ट 8150 से 8250 रुपए प्रति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2462-2946, काबली-5130-8211, बड़ा- 4570-5600, मसूर- 5801-7271, सरसो- 7050-7601, सोयाबीन 3536-7381, तुवर-4250-4250, तिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,41,700 रवा-1,41,400 चांदी- टंच- 2,23,000 पाट-2,22,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

जेल में शीतल छाया गोनिवास के निर्माण कार्य का शुभारंभ

शाजापुर। जिला जेल में शीतल छाया गोनिवास के निर्माण का शुभारंभ हुआ। जेल अधीक्षक दुष्यंत कुमार पगारे ने जानकारी देते हुए बताया कि जैन संत शीतलराज महाराज द्वारा शनिवार को जिला जेल शाजापुर में गौसेवा एवं जीवदया के पावन उद्देश्य से निर्मित होने वाले शीतल छाया गोनिवास के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर गुरुदेव ने गोनिवास की प्रस्तावित भूमि को पावन एवं पुण्यभूमि बनाते हुए समस्त श्रद्धालुओं को गौसेवा, जीवदया एवं करुणा का संदेश प्रदान किया। साथ ही उन्होंने प्रवचनों में कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। गौमाता की सेवा एवं संरक्षण मानव जीवन में करुणा, संवेदना और धर्म के संस्कारों को सुदृढ़ करता है। इसके उपरांत गुरुदेव द्वारा जेल में निरुद्ध बंदियों को अच्छे कर्म करने एवं जीवन में सुधार करने हेतु उपदेश दिए गए। इस अवसर पर उप जेल अधीक्षक सुनील कुमार मंडलेकर, शहर के वरिष्ठ नागरिक एवं समाजसेवी सहित समस्त जेल स्टाफ उपस्थित रहा।

ममता आर्य हुई पदोन्नत

शाजापुर। वरिष्ठ समाजसेवी व सेवानिवृत प्रधान अध्यापक सिद्धनाथ सोलंकी की पुत्र वधू एवं प्रेस क्लब संरक्षक आनंद आर्य के अनुज भ्राता अमित आर्य की पत्नी एवं जीआरपी इंदौर में पदस्थ ममता आर्य ने पदोन्नति उपरांत उप निरीक्षक पद पर कार्यभार ग्रहण किया। इस उपलब्धि पर प्रेस क्लब व गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त किया।

मुथूट फाइनेंस से लिया गोल्ड लोन, खाते में रकम आते ही साइबर ठगों ने महिला के खाते से उड़ाए 49,900 रुपये

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

डिजिटल युग में साइबर ठग अब आम लोगों की गाढ़ी कमाई के साथ-साथ उनके द्वारा लिए गए कर्ज की राशि पर भी सेंध लगा रहे हैं। शाजापुर में साइबर ठगी का एक ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपनी जरूरत पूरी करने के लिए गहने गिरवी रखकर गोल्ड लोन लिया था, लेकिन बैंक खाते में रकम पहुंचते ही अज्ञात जालसाजों ने यूपीआई के जरिये पलक झपकते ही पूरी राशि पार कर दी। घटना शाजापुर कोतवाली थाना क्षेत्र की है, जिसकी शिकायत के बाद पुलिस और साइबर सेल ने तकनीकी जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महूपुरा पटेलवाड़ी निवासी 37 वर्षीय सालेहा बी का धोबी चौराहा स्थित केनरा बैंक शाखा में खाता है। अपनी आर्थिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए उन्होंने 21 जुलाई को मुथूट फाइनेंस से 48,100 रुपये का गोल्ड लोन लिया था। यह ऋण राशि सीधे उनके केनरा बैंक खाते में ट्रांसफर की गई थी। पीड़िता अपने दैनिक डिजिटल लेनदेन के लिए इसी बैंक खाते से फोन-पे ऐप का इस्तेमाल करती हैं। लोन की राशि खाते में आने के बाद उन्हें

लगा था कि अब उनकी जरूरत पूरी हो जाएगी, लेकिन उन्हें साइबर ठगों की नजर लग गई। 24 जुलाई को जब सालेहा बी अपनी लोन की रकम निकालने बैंक पहुंचीं, तो खाते का बैलेंस जानकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। बैंक की तरफ से उन्हें बताया गया कि उनके खाते में महज 65 रुपये ही शेष हैं। बदहवास पीड़िता ने तुरंत बैंक से अपने खाते का स्टेटमेंट निकलवाया। इस स्टेटमेंट से यह बड़ा खुलासा हुआ कि 22 जुलाई की शाम ठीक 4 बजकर 6 मिनट पर उनके खाते से 49,900 रुपये यूपीआई के माध्यम से दीपक दास नाम के किसी व्यक्ति के नंबर पर ट्रांसफर कर दिए गए हैं। पीड़िता सालेहा बी ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी तरफ से किसी भी व्यक्ति को कोई पैसा ट्रांसफर नहीं किया है। किसी अज्ञात जालसाज ने धोखाधड़ी कर उनके खाते में सेंधमारी की और लोन की पूरी रकम उड़ा ली।

महिला ने गहने गिरवी रखकर लिया था कर्ज

महिला ने गहने गिरवी रखकर लिए गए कर्ज के इस तरह लुट जाने से पीड़िता काफी परेशान हैं। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर महिला ने कोतवाली थाने और शाजापुर साइबर सेल में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सघन जांच शुरू कर दी है। फिलहाल साइबर टीम उस यूपीआई आईडी और बैंक खाते की जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है, जिसमें यह रकम ट्रांसफर की गई है, ताकि आरोपी ठग तक जल्द से जल्द पहुंचकर मामले का खुलासा किया जा सके।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर

शाजापुर। शाजापुर जिले के सुनेरा नेशनल हाईवे-52 पर सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। शनिवार रात 11 बजे करीब जैन होटल के पास हुए हादसे में अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे युवक सड़क पर गिर गया। हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 के पायलट महेंद्र सिंह जादौन और पुलिसकर्मी रूपेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल युवक को डायल-112 वाहन से शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। घायल युवक की पहचान शाजापुर जिले के ग्राम भरड़ निवासी जितेंद्र पिता कंवरलाल के रूप में हुई है। गंभीर चोटों के कारण वह फिलहाल यह बताने की स्थिति में नहीं है कि वह कहां से आ रहा था और कहां जा रहा था। अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक पदम सिंह ने बताया कि घायल का इलाज जारी है। उसके बयान दर्ज होने के बाद ही हादसे की पूरी जानकारी मिल पाएगी। पुलिस घायल के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी और अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है।

पैरा लीगल वालंटियर्स के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद कुमार तिवारी के मार्गदर्शन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर की सचिव नमिता बौरासी के नेतृत्व में 25 जुलाई 2026 शनिवार को ए.डी. आर. भवन जिला न्यायालय परिसर, शाजापुर में पैरा लीगल वालंटियर्स के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के पैरा लीगल वालंटियर्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शाजापुर की सचिव नमिता बौरासी एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी शिखा शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर सचिव नमिता बोरासी ने पैरा लीगल वालंटियर्स को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य, विधिक सेवा गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पैरा लीगल वालंटियर्स न्याय एवं विधिक सहायता योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। न्यायालयीन तकनीकी प्रणालियों एवं साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी होना वर्तमान समय की आवश्यकता है।

गवली व माली समाज ने मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नावघाट श्मशान भूमि पर फायर स्टेशन निर्माण का विरोध

अवन्तिका ▸▸ आगर मालवा

शहर के नावघाट स्थित श्मशान भूमि पर प्रस्तावित फायर स्टेशन के निर्माण का विरोध अब काफी तेज हो गया है। गवली और माली समाज के प्रतिनिधियों ने जिले के प्रभारी मंत्री से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा और फायर स्टेशन को किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रभारी मंत्री ने तत्काल प्रभाव से निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए हैं।

प्रतिनिधियों का आरोप है कि हिंदू समाज को बिना विश्वास में लिए भूमि का आवंटन कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। उन्होंने दावा किया कि खुदाई और निर्माण के दौरान मृत शिशुओं के नर कंकाल बाहर निकल रहे हैं, जिससे हिंदू समाज की धार्मिक भावनाओं को गहरा आघात पहुंचा है।

समाज के प्रतिनिधियों ने मांग की है कि फायर स्टेशन को किसी अन्य उपयुक्त स्थल पर स्थानांतरित किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मांग पूरी नहीं हुई तो सर्व हिंदू समाज चरणबद्ध आंदोलन करने को बाध्य होगा।

मामले की गंभीरता को समझते हुए प्रभारी मंत्री ने जिला प्रशासन को तुरंत निर्माण कार्य रोकने और सभी पक्षों से बातचीत कर सर्वमान्य समाधान निकालने के निर्देश जारी किए हैं। अब हर किसी की नजर प्रशासन के अगले कदम पर टिकी है।

नर कंकाल निकलने का आरोप

प्रभारी मंत्री को सौंपे ज्ञापन में समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि शासन द्वारा सर्वे क्रमांक 1568 की लगभग दो एकड़ भूमि फायर स्टेशन के लिए आवंटित की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह भूमि वर्षों से कच्चे श्मशान के रूप में उपयोग होती आ रही है, जहाँ नवजात शिशुओं, लावारिस शवों और मृत पशुओं का अंतिम संस्कार तथा उन्हें दफनाने की परंपरा रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने ग्राम नावदा में सुनी पीएम मोदी के मन की बात

हर- घर तिरंगा अभियान और जल संरक्षण का लिया संकल्प

टोंकखुर्द। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सुबह 11 बजे आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम में अपने विचार साझा किए। यह इस मासिक रेडियो कार्यक्रम की 136 वीं कड़ी थी। मन की बात में पीएम मोदी ने जल संरक्षण और हर घर तिरंगा अभियान का आव्हान किया। पीएम मोदी ने कहा कि 4 जुलाई से पूरे देश में जल संरक्षण के लिए एक खास (केक द रेन)अभियान चलाया जा रहा है ।इसके तहत बारिश के पानी को बचाने के लिए पुराने तालाबों व जल स्त्रोतों को फिर से जीवित करने का काम किया जा रहा है।पीएम के मन की बात कार्यक्रम को भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंधल समेत तमाम नेताओं व भाजपा कार्यकर्ताओं ने टोंक खुर्द तहसील के ग्राम नावदा बूथ क्रमांक 68 पर सुना। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंधल ने कहा कि इस प्रेरणादायक कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री ने भारत की विकास यात्रा की उल्लेखनीय उपलब्धियों का चित्रण करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया। सिंधल ने कहा कि प्रधानमंत्री के शब्दों में गहरा प्रभाव है, जो हमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष संदीप पटेल, दिनेश वर्मा, श्रीराम सूर्यवंशी, भारत सिंह गौड, राधेश्याम पटेल, किशोर पटेल, गजेंद्र पटेल, निलेश पटेल, ब्रजपाल सिंह गौड, अनिल पटेल,युवराज सोनगरा, सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधान के इस्तीफे पर जश्न:तिरंगा लेकर लगाए नारे, ढोल-नगाड़ों संग मिठाई बांटी

देवास। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगें माने जाने के बाद देवास में जश्न का माहौल देखा गया। शहर के उज्जैन तिराहा स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा के सामने डॉ अंबेडकर राष्ट्रीय युवा संघ, डेरिस 50 फाइटर्स के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में युवाओं ने एकत्र होकर खुशी जाहिर की। इस दौरान युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर ₹भारत माता की जय और इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए। ढोल-नगाड़ों की धुन पर नृत्य किया गया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया गया। पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। पदाधिकारियों ने इस घटना को छात्रों के संघर्ष और लोकतांत्रिक आंदोलन की जीत बताया। उनका कहना था कि लंबे समय से उठाई जा रही मांगों को सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कार्यकर्ताओं और युवाओं में खुशी है।

हजारों विद्यार्थियों को मानव श्रृंखला बनाकर नशामुक्ति अभियान के तहत दिलाई शपथ

देवास। देवास में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत शनिवार को हजारों विद्यार्थियों ने नशामुक्ति का संदेश दिया। देवास के विभिन्न स्कूलों के इन विद्यार्थियों ने करीब तीन किलोमीटर से ज्यादा लंबी मानव श्रृंखला बनाई। उन्होंने एकजुट होकर लोगों से नशे से दूर रहने और स्वस्थ समाज के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की। यह जनजागरूकता कार्यक्रम औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मानव श्रृंखला के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। इसके बाद सभी विद्यार्थियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। उन्हें स्वयं नशे से दूर रहने और अपने परिवार व समाज को भी नशामुक्त बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

चलती ट्रेन से गिरा युवक, सिर में गंभीर चोट, लोकल ट्रेन में गेट पर बैठा था

अकोदिया। अकोदिया में मोहम्मदखेड़ा रेलवे स्टेशन के पास रविवार सुबह एक युवक चलती लोकल ट्रेन से गिरकर घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस टीम ने उसे प्राथमिक उपचार दिया और शुजालपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, युवक की हालत अब खतरे से बाहर है।

घायल की पहचान शुजालपुर के फ्रीगंज निवासी मनोज पिता मांगीलाल (35) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, मनोज मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं और बोल नहीं सकते। उनका इंदौर में इलाज चल रहा है।

रविवार सुबह मनोज लोकल ट्रेन से यात्रा कर रहे थे। वे ट्रेन के गेट पर बैठे थे। मोहम्मदखेड़ा स्टेशन के पास अचानक चलती ट्रेन से नीचे गिर गए। हादसे में उनके सिर में चोट आई।

विधायक भीमावद ने प्रजापति समाज धर्मशाला को 20 लाख दिए, दक्ष जन्मोत्सव पर शोभायात्रा के बाद घोषणा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

शाजापुर में रविवार को महाराजा दक्ष प्रजापति जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासंघ के तत्वावधान में एक शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा सुबह 11 बजे मां राजराजेश्वरी माता मंदिर से शुरू हुई, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।

शोभायात्रा राजराजेश्वरी माता मंदिर से प्रारंभ होकर ट्रैफिक पाइंट, फव्वारा चौक, नई सड़क, बड़ा चौक, छोटा चौक, सोमवारिया बाजार और मगरिया बाजार से होते हुए प्रजापति समाज

धर्मशाला पहुंची। मार्ग में विभिन्न चौक-चौराहों पर सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर इसका स्वागत किया। इस दौरान मिश्रौली धाम के रामनारायण जी महाराज और उज्जैन के सिद्ध गिरी जी महाराज भी शोभायात्रा में उपस्थित रहे।

धर्मशाला पहुंचने के बाद एक धर्मसभा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के सदस्य मौजूद थे। इस अवसर पर विधायक अरुण भीमावद की ओर से प्रजापति समाज धर्मशाला के विकास हेतु 20 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की गई।

यह घोषणा विधायक प्रतिनिधि पंडित आशीष नागर ने राष्ट्रीय महासचिव मनोज प्रजापति और अन्य समाजजनों की उपस्थिति में की। इस कार्यक्रम में रामचंद्र पटेल, विक्रम कुंभकार, धर्मेंद्र प्रजापति, नाथूलाल प्रजापति, मांगीलाल रेडवाल, संतोष प्रजापति, कैलाश उस्ताद और जिला अध्यक्ष महेश प्रजापति सहित समाज के कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

उज्जैन-गरोठ रोड पर कार दुर्घटना में एक की मौत

आगर मालवा। उज्जैन-गरोठ फोरलेन पर रविवार को ग्राम साबनी के पास एक कार बेकाबू होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में कार सवार सात लोगों में से 60 वर्षीय एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, कार में दीपक पिता राधेश्याम राठौर (48), उनकी पत्नी ललिता (38), जगदीश पिता सिद्धनाथ (60), उनकी पत्नी मनोरमा (52), प्रज्ञा पति दीपक (32) और 13 व 9 वर्ष के दो बच्चे सवार थे। ये सभी उज्जैन जिले के कायथा निवासी बताए गए हैं।

Presiding Officer: नितिन सोनी

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

RCS A/0000009/2020)

अम्बाराम-----वादी

विरूद्ध

दुलेसिंह------प्रतिवादी

Process Id-/2026

पेशी दिनांक : 10/08/2026

प्रेषिती

(1) दुलेसिंह पिता तोलाराम भील पता- निवासी गॉव पिप्लिया सोनगरा तहसील नलखेड़ा जिला आगर मालवा मप्र (2) प्रहलाद पिता किशलनलाल पता- निवासी नलखेड़ा जिला आगर मालवा (मप्र)

यह कि प्रार्थी अम्बाराम ने आपके विरुद्ध वाद पारिणामिक सहायता सहित स्वत्व घोषणा, स्थायी निषेधाज्ञा एवं सिलिंग अधिकारी के प्रकरण क्रमांक 9 अ 90 व 6/88-89 पत्र को निरस्त करने बाबद के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 23 जुलाई 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

(नीतिन सोनी)

व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड के

अतिरिक्त न्यायाधीश नलखेड़ा, जिला आगर-मालवा (म.प्र.)

कृपया ध्यान दे- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मनीष पाटीदार (MANISH PATIDAR पिता (PREMNARAYAN PATIDAR) प्रेमनारायण पाटीदार जाति कुल्मी, निवासी थावर जी बा की सेरी, ग्राम अभयपुर, पोस्ट अभयपुर, जिला शाजापुर, मध्य प्रदेश 465001, पूर्व में मेरा नाम मनीष (MANISH) था। चूँकि अब मेरा नाम मनीष पाटीदार (MANISH PATIDAR) हो चुका है। अतः मेरे सभी शासकीय, अशासकीय एवं अन्य अभिलेखों में भविष्य में मेरा नाम मनीष पाटीदार (MANISH PATIDAR) ही लिखा एवं जाना जाए।

मनीष पाटीदार पिता प्रेमनारायण पाटीदार, जाति- कुल्मी, निवासी- थावर जी बा की सेरी, ग्राम अभयपुर, पोस्ट अभयपुर, जिला शाजापुर, मध्य प्रदेश- 465001, मो.: 9713097605

परिशिष्ट B - संख्यांक 2
सिविल कोर्ट पेटलावाद जिला झाबुआ
व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-दो (कनिष्ठ खण्ड), पेटलावद झाबुआ
आरसीएस ए/1/2025
कामेरी बाई पति वालिया चौहान चर्मकार बनाम रमेश पिता स्व. दयाराम चौहान चर्मकार

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए समन (आदेश 5 के नियम 1 और 5) **NEXT DATE: 20-08-2026**

प्रेषिती-

भागवंताबाई (जिसे समन करना है 1/2 स्व० मांगीया चौहान चर्मकार सुरजबाबु व कमला बाबु की खदान मक्सी रोड जिला उज्जैन, UJJAIN, MADHYA PRADESH

कामेरी बाई पति वालिया चौहान चर्मकार ने आपके विरूद्ध के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 20-08-2026 को 10:30 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान् प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजें जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों की, लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा। यह आज तारीख 20-07-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

श्री प्रियम कुमार सक्सेना व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-दो (कनिष्ठ खण्ड) पेटलावद, जिला झाबुआ (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें 1. यदि आपको यह आशंका है कि आपके साक्षी अपनी मर्जी से हाजिर नहीं होंगे तो आप किसी साक्षी को हाजिर होने के लिए विवश करने के लिए और ऐसी कोई दस्तावेज पेश करने के लिए, जिसे पेश करने के लिए साक्षी से अपेक्षा करने का आपको अधिकार है, समन इस न्यायालय से आवेदन करके और आवश्यक व्ययों की रकम जमा करके ले सकते है।
2. यदि आप दावे को स्वीकार करते हैं तो आपको चाहिए कि वाद के खर्चे के साथ उस दावे का धन न्यायालय में जमा कर दें जिससे कि डिक्री का निष्पादन स्वयं आपके या आपकी सम्पत्ति या दोनों के विरूद्ध न करना पड़े।
3. नोट यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय को अवकाश पर होगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा ।

परिशिष्ट B - संख्यांक 2
सिविल कोर्ट पेटलावाद जिला झाबुआ
व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-दो (कनिष्ठ खण्ड), पेटलावद झाबुआ
आरसीएस ए/1/2025
कामेरी बाई पति वालिया चौहान चर्मकार बनाम रमेश पिता स्व. दयाराम चौहान चर्मकार

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए समन (आदेश 5 के नियम 1 और 5) **NEXT DATE: 20-08-2026**

प्रेषिती-

शकुंतला बाडू (जिसे समन करना है 1/2 स्व० बद्रीलाल चौहान चर्मकार सुरजबाबु व कमलाबाबु की खदान मक्सी रोड जिला उज्जैन, UJJAIN, MADHYA PRADESH

कामेरी बाई पति वालिया चौहान चर्मकार ने आपके विरूद्ध के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 20-08-2026 को 10:30 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हों और जो इस वाद से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजें जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों की, लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

यह आज तारीख 20-07-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

श्री प्रियम कुमार सक्सेना व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-दो (कनिष्ठ खण्ड) पेटलावद, जिला झाबुआ (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें 1. यदि आपको यह आशंका है कि आपके साक्षी अपनी मर्जी से हाजिर नहीं होंगे तो आप किसी साक्षी को हाजिर होने के लिए विवश करने के लिए और ऐसी कोई दस्तावेज पेश करने के लिए, जिसे पेश करने के लिए साक्षी से अपेक्षा करने का आपको अधिकार है, समन इस न्यायालय से आवेदन करके और आवश्यक व्ययों की रकम जमा करके ले सकते है।
2. यदि आप दावे को स्वीकार करते हैं तो आपको चाहिए कि वाद के खर्चे के साथ उस दावे का धन न्यायालय में जमा कर दें जिससे कि डिक्री का निष्पादन स्वयं आपके या आपकी सम्पत्ति या दोनों के विरूद्ध न करना पड़े।
3. नोट यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय को अवकाश पर होगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा ।

परिशिष्ट B - संख्यांक 2
सिविल कोर्ट पेटलावाद जिला झाबुआ
व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-दो (कनिष्ठ खण्ड), पेटलावद झाबुआ
आरसीएस ए/1/2025
कामेरी बाई पति वालिया चौहान चर्मकार बनाम रमेश पिता स्व. दयाराम चौहान चर्मकार

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए समन (आदेश 5 के नियम 1 और 5) **NEXT DATE: 20-08-2026**

प्रेषिती-

नारायण जिसे समन करना है 1/2 मांगीया चौहान चर्मकार मांगीया चौहान चर्मकार सुरजबाबु व कमला बाबु की खदान मक्सी रोड जिला उज्जैन, UJJAIN, MADHYA PRADESH

कामेरी बाई पति वालिया चौहान चर्मकार ने आपके विरूद्ध के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 20-08-2026 को 10:30 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हों और जो इस वाद से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजें जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों की, लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टी करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

यह आज तारीख 20-07-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

श्री प्रियम कुमार सक्सेना व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-दो (कनिष्ठ खण्ड) पेटलावद, जिला झाबुआ (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें 1. यदि आपको यह आशंका है कि आपके साक्षी अपनी मर्जी से हाजिर नहीं होंगे तो आप किसी साक्षी को हाजिर होने के लिए विवश करने के लिए और ऐसी कोई दस्तावेज पेश करने के लिए, जिसे पेश करने के लिए साक्षी से अपेक्षा करने का आपको अधिकार है, समन इस न्यायालय से आवेदन करके और आवश्यक व्ययों की रकम जमा करके ले सकते है।
2. यदि आप दावे को स्वीकार करते हैं तो आपको चाहिए कि वाद के खर्चे के साथ उस दावे का धन न्यायालय में जमा कर दें जिससे कि डिक्री का निष्पादन स्वयं आपके या आपकी सम्पत्ति या दोनों के विरूद्ध न करना पड़े।
3. नोट यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय को अवकाश पर होगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा ।

नगर पालिका ने किया पौधारोपण

महिदपुर। नगर पालिका परिषद द्वारा शहर में चलाए जा रहे पौधारोपण अभियान के तहत गुरुवार को वार्ड क्रमांक 2, यशवंत मार्ग पर पौधारोपण किया गया। इस दौरान लोगों के घरों के सामने पौधे लगाकर उन्हें उनकी देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी गई। नगर पालिका के अनुसार अब तक शहर में 1000 से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नानीबाई ओमप्रकाश माली सहित जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

अमृत हरित अभियान के तहत हुआ वृहद पौधारोपण

महिदपुर। नगर पालिका परिषद महिदपुर द्वारा अमृत हरित अभियान के अंतर्गत गुरुवार को नगर के मुख्य मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर छायादार और फलदार पौधों का वृहद पौधारोपण किया गया। इस दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों ने पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया तथा नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनका संरक्षण करने की अपील की। साथ ही स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के तहत स्वच्छता का संदेश भी दिया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार हरित महिदपुर के उद्देश्य से यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

अस्पताल के 11 रोकस कर्मचारियों को सेवा मुक्ति की सूचना

सुसनेर। सिविल अस्पताल में कार्यरत रोगी कल्याण समिति (रोकस) के 11 कर्मचारियों को पद से पृथक किए जाने संबंधी सूचना पत्र जारी होने के बाद कर्मचारियों में चिंता का माहौल है। मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं, मध्यप्रदेश के वर्ष 2019 के निदेर्शों के तहत भविष्य में रोकस कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से कार्य लिया जाना प्रस्तावित है। जिला स्तर से निर्देश प्राप्त होने के बाद आगामी महीनों में यह कार्रवाई की जा सकती है। जिसकी एक माह पूर्व सूचना कर्मचारियों को दी गई है।

सीमाएं पर जवान हर विषम परिस्थिति में अडिग

सारंगपुर। नगर के निजी विद्यालय श्री सत्य साईं सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कारगिल विजय दिवस का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, अपार सम्मान एवं राष्ट्रभक्ति के वातावरण में गरिमामय तरीके से किया गया। प्रतिवर्ष 26 जुलाई को मनाया जाने वाला यह ऐतिहासिक दिन वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और ऐतिहासिक विजय का प्रतीक है। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर मां भारती के उन वीर सपूतों को याद किया गया, जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं विद्यालय प्रबंधन द्वारा भारत माता तथा कारगिल युद्ध के अमर शहीदों के चित्रों पर दीप प्रज्ज्वलन एवं भावपूर्ण पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

मंदिर में नंदीश्वर द्वीप मंडल विधान का आयोजन

सुसनेर। अष्टाहिका महापर्व के अवसर पर दिगंबर जैन बड़ा मंदिर जी में आठ दिवसीय नंदीश्वर द्वीप मंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है। 21 जुलाई से शुरू हुआ यह धार्मिक अनुष्ठान 28 जुलाई तक चलेगा। यह पूरा आयोजन पूज्य आर्यिका 105 आगम मति माताजी के परम पावन सानिध्य में संपन्न हो रहा है। प्रतिदिन सुबह से ही माताजी की उपस्थिति में मंदिर जी में मंत्रों और भक्तिमय भजनों से गुंजायमान हो रहा है। इस विशेष विधान के लिए मंदिर जी में नंदीश्वर द्वीप की सुंदर रचना की गई हैं। श्रद्धालु प्रतिदिन केसरिया और श्वेत वस्त्र धारण कर भगवान के दर्शन और भक्तिभाव से पूजा-अर्चना कर रहे हैं। देव-शास्त्र-गुरु की आराधना के साथ अष्टद्रव्य से अर्घ्य समर्पित कर विश्व शांति की कामना की जा रही है। प्रातःकाल सामूहिक अभिषेक, शांतिधारा और पूजन के समय भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा है।

बड़नगर वाले सामाजिक संस्था व 'हम बड़नगर वाले' ग्रुप ने उठाई मांग

चंद्रशेखर आजाद प्रतिमा स्थल का हो सौंदर्यीकरण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

स्थानीय आजाद चौक स्थित अमर शहीद चंद्रशेखर आजादजी की प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण की मांग को लेकर 'बड़नगर वाले' सामाजिक संस्था एवं लोकप्रिय सोशल मीडिया ग्रुप 'हम बड़नगर वाले' द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। संस्था एवं ग्रुप के प्रतिनिधियों ने इस संबंध में आदरणीय निर्माण सभापति प्रतिनिधि को पत्र प्रेषित कर अतिशीघ्र आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। प्रतिमा स्थल पर शेड लगवाने , टूटे फर्श, और खराब प्रकाश व्यवस्था और टूटे दरवाजे को लेकर पत्र माध्यम से निवेदन किया।

संस्था सदस्यों द्वारा बताया गया कि स्थानीय वार्ड पार्षद प्रतिनिधि को लगातार निवेदन किया जा रहा था, परन्तु कोई संज्ञान नहीं लिया गया, चंद्रशेखर आजाद के 120वी जन्मजयंती पर नगर के कई गणमान्य नागरिक मूर्ति स्थल की बदतर स्थिति देख आहत हुए है,

शेड बनाने से प्रतिमा - बंदर और पंछियों के अपशिष्ट से खराब नहीं होगी, और उचित प्रकाश व्यस्था सहित सौंदर्यीकरण किया जाए। सौंपे गए पत्र में संस्था के सदस्यों ने ध्यान आकर्षित कराते हुए कहा कि आजाद चौक स्थित महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद जी द्वारा देश की आजादी में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीद के स्मारक की वर्तमान स्थिति जनभावनाओं को आहत कर रही है, इसलिए वहां त्वरित जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की अति आवश्यकता है।

प्रतिमा पर छतरी निर्माण समय की मांग हे, संस्था के सदस्यों ने जोर देते हुए कहा कि प्रतिमा को धूप, बारिश और मौसम के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखने के लिए प्रस्तावित छतरी (कैनोपी) का निर्माण अब समय की बड़ी मांग बन चुका है। पत्र प्रेषित करते समय ही निर्माण सभापति प्रतिनिधि लालबहादुर बादशाह द्वारा तुरंत नगर पालिका इंजीनियर को मौका स्थल पर बुलाकर, जल्द से जल्द कार्य पूरा करने के लिए कहा।

अतिशीघ्र प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह

'बड़नगर वाले' सामाजिक संस्था एवं 'हम बड़नगर वाले' ग्रुप ने नगर पालिका प्रशासन से किया है, प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण, जीर्णोद्धार एवं छतरी निर्माण की प्रक्रिया को बिना किसी विलंब के अतिशीघ्र आगे बढ़ाया जाए, ताकि अमर शहीद के स्मारक की गरिमा और सम्मान को पुनः स्थापित किया जा सके।

स्वास्थ्य सेवाओं में समर्पण भावना से कार्य करने का निश्चित रूप से मिलता है प्रतिफल

महिदपुर रोड। शनिवार को नगर के निजी एस एस हॉस्पिटल में उदय भारती ट्रस्ट हैल्थ केयर एवं संजीवनी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (शिरोलिया) देवास की और से निशुल्क स्वास्थ्य प्रशिक्षण एवंउपचार शिविर का आयोजन किया गया जिसमें क्षैत्र के विधायक दिनेश जैन बॉस ने चिकित्सकीय टीम का स्वागत करते हुए कहा स्वास्थ्य सेवा में काम करने वाले भगवान का अंश मानेजाते हैं यह कार्य समर्पण भाव से करने वाले को निश्चित ही इसका प्रतिफल भी मिलता है। सरपंच ऋतु सत्यनारायण पाटीदार,जिला उपाध्यक्ष संदीप व्यास ,मंडल अध्यक्ष गुरुचरण सिंह चौहान , पूर्व जिला पंचायत सदस्य मानसिंह सिसौदिया ,शिव कुमार सौलंकी ,दिलीप सेन आदि इस दौरान उपस्थित रहे , शिविर में चिकित्सकीय टीम से डॉ कैलाश शर्मा एवं डॉ स्वेता गुप्ता ने 190 मरीज का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए आवश्यक परामर्श दिया 20 से अधिक मरीजों को निःशुल्क आवश्यक दवाइयां के साथ उपचार एवं आपरेशन के लिये संजीवनी हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर देवास ले जाया गया हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ राहुल सौलंकी ने ने बताया हर माह की 25 तारीख को हॉस्पिटल में शिविर का आयोजन होगा जिसमें क्षैत्र के लोगों को एवं जरूरत मंद नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा

आस्था के सागर में उमड़ा जनसैलाब, चातुर्मास को तप करने का श्रेष्ठ अवसर बताया

खाचरौद। साध्वी शाश्वत प्रिया श्रीजी महाराज आदि ठाणा-4 का खाचरोद में मंगल प्रवेश श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में सम्पन्न हुआ। प्रातः 9 बजे, अशोक टाकिज उज्जैन दरवाजा से प्रारंभ होकर मुखिया गली, ब्रामणि पुरा,कबाड़ीपुरा, चबूतरा चोराहा जवाहर मार्ग, गणेश देवली, सागर्मल मार्ग होते हुए शोभ यात्रा महावीर मार्ग पहुँच कर धर्म सभा मे परिवर्तित हुई शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सभी परिषदों के दल, विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठन तथा कई नगरों के श्रीसंघ शामिल हुए। बैंड, ढोल-नगाड़ों, ताशा पार्टी एवं गुरुदेव राजेन्द्रसूरिजी का चित्र विजय वगरेचा और पुण्य सम्राट की मूर्ति को लेकर रथ मे बैठने का लाभ मोहन बाई फतेहचंद नांदेचा के ने लिया आकर्षक रथों से सुसज्जित शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से निकली। जगह-जगह स्वागत द्वार सजाए गए तथा समाजजनों ने गुलाल उड़ाकर साध्वीजी का मंगल स्वागत किया। महिला परिषद की एक जैसी पारंपरिक वेशभूषा और भजनों पर प्रस्तुत गरबा शोभायात्रा का विशेष आकर्षण रहा। धार्मिक उल्लास और भक्ति से ओतप्रोत वातावरण में निकली शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर जिनशासन के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

खारपा हाई स्कूल में साइकिल वितरण व प्रतिभा सम्मान, शिक्षा के लिए समाज भी आया आगे

जीरापुर। नगर से 6 किलोमीटर दूर ग्राम खारपा स्थित शासकीय हाई स्कूल में साइकिल वितरण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 40 विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिलें वितरित की गईं। वहीं गत सत्र की हाई स्कूल परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण छात्राओं महिमा सोनी, साक्षी परिहार, दीपिका परिहार, राधिका किरार एवं ज्योति विश्वकर्मा तथा उनके अभिभावकों का विधायक हजारीलाल दांगी ने शील्ड, प्रशस्ति पत्र, साफा एवं माला पहनाकर सम्मान किया। विधायक हजारीलाल दांगी ने विद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी विद्यालय भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में किसी निजी विद्यालय से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि शासन विद्यार्थियों को साइकिल, यूनिफॉर्म, छात्रवृत्ति, पुस्तकें एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है, वहीं यह सुखद है कि नगर एवं क्षेत्र के नागरिक भी बच्चों की शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ माँ के नामश अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया। जीरापुर निवासी महेश भावसार ने विद्यार्थियों के बेहतर अध्ययन के लिए विद्यालय को 15,000 मूल्य के 6 शिक्षक डाइस भेंट किए। एल एंड टी कंपनी द्वारा पूर्व में 51 विद्यार्थियों को स्कूल बैग उपलब्ध कराए गए। सरपंच धापू बाई एवं रामविलास किरार ने कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को बैग वितरित किए। कार्यक्रम में डॉ. रामचरण किरार, मुकेश राठौर, पवन कुशवाह, गजराज सिंह सोनगरा, लखन सिंह सहित जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

शास्त्री स्मृति स्कूल में छात्रों व शिक्षकों ने ली नशा मुक्ति की शपथ, पुलिस और खेल विभाग की पहल

सारंगपुर। मादक द्रव्यों के सेवन की गंभीर समस्या से निपटने और युवा पीढी को एक स्वस्थ, सुरक्षित व नशामुक्त भविष्य देने के उद्देश्य से नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशे से दूरी है जरूरी 2.0 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय शास्त्री स्मृति उच्चतर माध्यमिक विद्या मंदिर, विकासखंड सारंगपुर में पुलिस विभाग तथा खेल एवं युवक कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इस विशेष जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन हुआ। उल्लेखनीय है कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 15 अगस्त 2020 को शुरू किया गया यह राष्ट्रव्यापी अभियान रोकथाम, समय पर उपचार और पुनर्वास के बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ संचालित किया जा रहा है। इसी कडी में सारंगपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्था के सभी बालक-बालिकाओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने एक स्वर में जीवन में कभी भी नशे का सेवन न करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की निष्ठापूर्वक शपथ ली।

नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता

पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ मक्सी

जिले में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मक्सी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 4 लाख 80 हजार मूल्य का माल जब्त किया गया है।

पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा प्रदेशभर में नशे से दूरी है जरूरी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक शाजापुर प्रियंका शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय एवं एसडीओपी अजय कुमार मिश्रा के निर्देशन में मक्सी थाना प्रभारी मदन इवने को कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

मक्सी पुलिस को सफलता, स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार 4.80 लाख कीमत का मादक पदार्थ व बाइक जब्त गिरफ्तार आरोपियों में केवलसिंह (55) निवासी पीपलहेड़ा, थाना मृगवास जिला गुना तथा प्रीतमसिंह (32) निवासी कोनियाडांग, थाना चांचौड़ा जिला गुना शामिल हैं। दोनों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। निदेर्शानुसार थाना प्रभारी ने एक विशेष टीम गठित की। टीम ने मुखबिर की सूचना पर मक्सी बायपास स्थित झोंकर ब्रिज के पास दबिश देकर कार्रवाई की। इस दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 41 ग्राम स्मैक (कीमत करीब ?4 लाख 10 हजार) एवं एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (कीमत 70 हजार) जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में केवलसिंह (55) निवासी पीपलहेड़ा, थाना मृगवास जिला गुना तथा प्रीतमसिंह (32) निवासी कोनियाडांग, थाना चांचौड़ा जिला गुना शामिल हैं।

इनकी रही भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी मदन इवने, उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह बुंदेला, प्रधान आरक्षक रामेश्वर जाटव, राजेश पटेल, विपिन सिंह तोमर एवं आरक्षक चंद्रशेखर जाट की विशेष भूमिका रही।

नए सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण

विद्यार्थियों को मिलेंगी आधुनिक शिक्षा की सुविधाएं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

नगर के शासकीय सांदीपनि विद्यालय में शनिवार को नव-निर्मित विद्यालय भवन का लोकार्पण उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, अभिभावकों और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। समारोह के दौरान प्रदेश स्तरीय लोकार्पण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एलईडी स्क्रीन के माध्यम से दिखाया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक देखा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक बद्रीलाल सोनी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। विद्यालय की छात्राओं ने आकर्षक स्वागत नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अतिथियों का स्वागत किया। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। विद्यालय के प्राचार्य पुनीत शुक्ला ने स्वागत भाषण देते हुए विद्यालय की उपलब्धियों एवं नवीन भवन में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नए भवन में विशाल कक्षाएं, आधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाएं, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय, प्रशासनिक कक्ष सहित विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

भविष्य की मजबूत नींव

इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. सौरभ जैन एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चिंतामण राठौर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आधुनिक संसाधनों से युक्त विद्यालय विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव साबित होंगे और उन्हें पूरे मनोयोग से अध्ययन कर अपने लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

योग-प्राणायाम से स्वस्थ जीवन का संदेश

गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के तहत विशेष सत्र

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत दीप्ति कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को विद्यार्थियों के लिए योग, प्राणायाम एवं सूर्य नमस्कार का विशेष सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम विद्यालय के प्रबंधक फ ादर कुरियन एवं प्राचार्य सिस्टर जेस के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। विद्यालय के खेल शिक्षक मनीष इचोरिया ने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया। उन्होंने योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी देते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन शांत और एकाग्रता में वृद्धि होती है। सूर्य नमस्कार को उन्होंने संपूर्ण शरीर के लिए श्रेष्ठ व्यायाम बताते हुए कहा कि इससे ऊर्जा, स्फ ूर्ति और सकारात्मक सोच का विकास होता है। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साह और अनुशासन के साथ योगाभ्यास किया। उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, प्रतिदिन योग एवं प्राणायाम करने तथा भारतीय संस्कृति की इस अमूल्य परंपरा को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के तहत विद्यार्थियों में स्वास्थ्य,अनुशासन, संस्कार और भारतीय परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता की सराहना की।

बारिश से सोयाबीन को मिली संजीवनी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

क्षेत्र में करीब दो सप्ताह के लंबे इंतजार के बाद हुई बारिश ने किसानों को बडी राहत दी है। बारिश से खरीफ फसलों, खासकर सोयाबीन में फिर से जान आ गई है। लंबे समय से बारिश नहीं होने के कारण फसल मुरझाने लगी थी, लेकिन अब खेतों में नमी लौटने से किसानों की उम्मीदें बढ गई हैं।

किसान मुकेश गोस्वामी ने बताया कि लगातार बारिश नहीं होने से सोयाबीन की फसल सूखने लगी थी। नमी बचाने के लिए किसान खेतों में डोरे चलाकर फसल को बचाने का प्रयास कर रहे थे। अब बारिश के बाद फसल की स्थिति में सुधार दिखाई दे रहा है। कृषि विभाग के एसएडीओ राजेश राजपूत ने बताया कि बुवाई के 35 से 45 दिन बाद सोयाबीन में फूल आने की प्रक्रिया शुरू होती है। इस दौरान पर्याप्त नमी नहीं मिलने पर फूल झड जाते हैं, जिससे उत्पादन में 40 से 50 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। ऐसे में अगले 15 दिन किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

वन महोत्सव अभियान के अंतर्गत

जेल परिसर में वृहद पौधारोपण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से जीवनधारा नमामि गंगे संस्था द्वारा संचालित वन महोत्सव अभियान के अंतर्गत दिनांक 25 जुलाई 2026 को सुसनेर जेल परिसर में वृहद स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के बड़ी संख्या में पौधों का रोपण किया गया तथा उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश डी. एस. चौहान, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अरुण सिंह तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आगर की सचिव अश्विनी सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जीवनधारा नमामि गंगे संस्था द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों की सराहना करते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में जेल अधीक्षक प्रिंस सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन में जेल परिसर में सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक पौधारोपण संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि कारागार परिसर को हरित एवं स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखरेख का भरोसा दिलाते हुए कहा कि जेल प्रशासन इस दिशा में पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा।

औषधि प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण

बिना फार्मासिस्ट संचालित मिला मेडिकल स्टोर दवाइयों के नमूने जांच के लिए भेजे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

दवा विक्रय व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने शनिवार को सुसनेर तहसील के मोड़ी एवं सुसनेर क्षेत्र में मेडिकल स्टोरों पर व्यापक औचक निरीक्षण अभियान चलाया। कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव तथा नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन भोपाल के निदेर्शानुसार हुई इस कार्रवाई में औषधि निरीक्षक श्रीमती रोशनी धुर्वे ने विभिन्न मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण कर दवाइयों की गुणवत्ता, दस्तावेजों और निर्धारित नियमों के पालन की बारीकी से जांच की।

निरीक्षण के दौरान मोड़ी क्षेत्र में एक मेडिकल स्टोर बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट के संचालित होता पाया गया, जो औषधि नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। इसके अलावा अन्य कुछ मेडिकल स्टोरों पर भी रिकॉर्ड संधारण, दवा विक्रय एवं लाइसेंस संबंधी अनियमितताएं सामने आईं। विभागीय टीम के पहुंचने की सूचना मिलते ही कुछ मेडिकल स्टोर संचालकों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं और मौके से चले गए, जिससे उनकी गतिविधियां भी विभाग के संज्ञान में आई हैं।

निरीक्षण के दौरान विभागीय टीम ने कई प्रकार की दवाइयों के नमूने भी लिए। इन नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण के लिए राज्य औषधि प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया है। प्रयोगशाला से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर यह तय होगा कि संबंधित दवाइयां निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरती हैं या नहीं। यदि किसी दवा का नमूना अवमानक (सब-स्टैंडर्ड) अथवा निर्धारित मानकों के विपरीत पाया जाता है, तो संबंधित मेडिकल स्टोर संचालक एवं दवा निमार्ता के विरुद्ध औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम, 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

जनस्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं

उन्होंने बताया कि जिले में नकली, अवमानक अथवा बिना अनुमति के दवा विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए विभाग लगातार निगरानी रखे हुए है। समय-समय पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में इसी प्रकार औचक निरीक्षण किए जाएंगे, ताकि आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित दवाइयां उपलब्ध हो सकें तथा दवा व्यवसाय से जुड़े सभी प्रतिष्ठानों द्वारा शासन के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा सके। औषधि प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनस्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले मेडिकल स्टोर संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी, वहीं जांच में मानकों के अनुरूप पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों को नियमानुसार संचालन जारी रखने की अनुमति रहेगी। विभाग का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि जिले में सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और जिम्मेदार दवा वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाना भी है।

भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव पर भड़कीं मलाइका

फोटो के लिए कुत्ते को बेरहमी से घसीटा गया एक्ट्रेस बोलीं- ये बेवकूफ आदमी है कौन, वाहियात

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा हाल ही में भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव पर भड़क गई हैं। इतना ही नहीं एक्ट्रेस उन्हें पहचान भी नहीं सकीं और उनके अस्तित्व पर सवाल खड़े कर दिए। दरअसल, हाल ही में खेसारी लाल यादव एक इवेंट का हिस्सा बने थे। जैसे ही वो पोज देने के लिए कैमरामैन के सामने पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि जिस जगह बैकग्राउंड बैनर लगा है, ठीक उसी जगह एक आवारा कुत्ता बैठा है। खेसारी लाल यादव ने खुद तो कुत्ते को छुआ तक नहीं, लेकिन वहां मौजूद टीम ने उस कुत्ते को बेरहमी से घसीटते हुए वहां से अलग कर दिया।

मलाइका का कमेंट सामने आने के बाद कई लोग खेसारी लाल यादव की पैरवी करते हुए उनकी पहचान बता रहे हैं। वहीं कुछ ट्रोलर्स ऐसे भी हैं, जो मलाइका को ही ट्रोल कर रहे हैं।

कौन हैं खेसारी लाल यादव?

खेसारी लाल यादव भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार हैं। उनकी पहली भोजपुरी फिल्म 'साजन चले ससुराल' (2011) सुपरहिट रही, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। खेसारी ने 100 से अधिक भोजपुरी फिल्मों में अभिनय किया है और कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही हैं। वे एक सफल अभिनेता होने के साथ-साथ लोकप्रिय गायक भी हैं। उनके कई गाने करोड़ों बार देखे और सुने जा चुके हैं। उन्होंने टीवी के लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 13 में हिस्सा लेकर राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाई। जिसे सलमान होस्ट करते हैं। खेसारी लाल यादव को भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में उनके अभिनय और गायन के लिए कई पुरस्कार और सम्मान मिल चुके हैं। आज वे भोजपुरी मनोरंजन जगत के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले और सबसे प्रभावशाली कलाकारों में गिने जाते हैं सोशल मीडिया पर उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग है।

नैनो न्यूज

- **शेयर बाजार की नजर ग्लोबल संकेतों पर-** भारतीय बाजार में निवेशक अब वैश्विक बाजारों, विदेशी निवेश और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नजर बनाए हुए हैं। आईटी, बैंकिंग और ऑटो सेक्टर चर्चा में हैं।
- बैंकिंग सेक्टर में डिजिटल कारोबार बढ़ा- देश में डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन बैंकिंग सेवाओं का विस्तार जारी है। छोटे कारोबारियों में भी डिजिटल लेन-देन का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।
- **सोना कमजोर, कीमतों में गिरावट-** अंतरराष्ट्रीय बाजार के दबाव के चलते भारत में सोने की कीमतों में नरमी देखने को मिली। निवेशकों की नजर अब डॉलर और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर है।

थलापति विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन देखने पहुंचीं तृषा

एक्टर से राजनेता बने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन 23 जुलाई को दुनियाभर में रिलीज हुई है। इस मौके पर उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड तृषा कृष्णन फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने पहुंची थीं। थिएटर के बाहर स्पॉट हुईं तृषा ने इस पर बात करने से इनकार कर दिया, जबकि उनकी मां ने भावुक होकर कहा कि वो विजय को बड़े पर्दे पर देखना मिस करेंगी।

तृषा कृष्णन की मां उमा कृष्णन भी फिल्म देखने पहुंचीं। विजय की आखिरी फिल्म पर उन्होंने एएनआई से बातचीत में कहा, मुझे बहुत बुरा लग रहा है, हम उन्हें बहुत मिस करेंगे। तृषा कृष्णन अपनी दोस्तों के साथ जन नायकन देखने पहुंची थीं। फिल्म देखकर निकलते हुए तृषा को भीड़ ने घेर लिया, जिसके बाद एक्ट्रेस कार तक पहुंचने में मशक्कत करती नजर आई हैं। फिल्म देखने के कुछ देर बाद तृषा ने दोस्तों के साथ एक फोटो शेयर की है, जिसके कैप्शन में लिखा था, ह्यहम जिंदा निकल कर आ गए। वहीं फिल्म पर लिखा गया, ह्यएक आखिरी बार, एक आखिरी डांस, जन नायकन का पागलपन। इंडस्ट्री ट्रैकर वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, विजय की फिल्म जन नायकन ने पहले दिन देशभर में 42.70 करोड़ का नेट कलेक्शन कर लिया है।

बता दें कि विजय ने बीते साल जन नायकन के बाद फिल्म से रिटायरमेंट का ऐलान किया था। ये फिल्म पहले जनवरी 2026 में रिलीज की जाने वाली थी। हालांकि सेंसरशिप के चलते फिल्म टलते हुए अब रिलीज हुई है। फिल्म रिलीज से पहले थलापति विजय के फैंस में काफी उत्साह देखने मिला। उनके कई फैंस विदेश से फिल्म देखने भारत आए हैं। साउथ के कई सिनेमाघरों के बाहर विजय के बड़े-बड़े कटआउट लगाए गए, जहां फैंस घंटों तक डांस करते रहे। विजय की आखिरी फिल्म होने के कारण 'जन नायकन' सिर्फ एक रिलीज नहीं, बल्कि करोड़ों प्रशंसकों के लिए भावनात्मक मौका थी। उम्मीद थी कि यह फिल्म उनके लंबे सिनेमाई सफर को यादगार विदाई देगी। लेकिन निर्देशक एच. विनोथ इसे कहानी से ज्यादा राजनीतिक संदेश और स्टार की छवि चमकाने का माध्यम बना देते हैं।

अमाल मलिक के तनिष्क बागची पर गंभीर आरोप

सैयारा सॉन्ग कंट्रोवर्सी के चलते सिंगर-कंपोजर तनिष्क बागची और अमाल मलिक के बीच सोशल मीडिया पर विवाद जारी है। अब अमाल ने तनिष्क पर कई संगीन आरोप लगाए हैं। अमाल ने दावा किया है कि तनिष्क ने टिप्स म्यूजिक कंपनी में काम करने वाली एक लड़की से शादी का वादा किया और बाद में अब्यूज कर छोड़ दिया। इतना ही नहीं अमाल ने दावा किया है कि वह उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नाम से धमकी दिलवा रहे हैं।

अमाल ने ऑफिशियल अकाउंट (पहले ट्विटर) पर तनिष्क बागची के लिए लिखा है, ह्यतुमने मीटू का मामला रफा-दफा करवा लिया क्या? टिप्स म्यूजिक कंपनी के ए एंड आर डिपार्टमेंट में एक लड़की है। उससे शादी का वादा करके तुमने उसका शोषण किया और फिर उसे छोड़ दिया। आज तुमने किसी और से शादी कर ली। उस महिला पर तरस आता है जिसने तुम्हारे जैसे सांप को चुना। वह लड़की गहरे सदमे और अवसाद में है, और यह खबर बहुत तेजी से फैलेगी।

जानिए क्या है पूरा विवाद?

2025 की फिल्म सैयारा के सुपरहिट होने के बाद सिंगर तनिष्क बागची ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उन्हें टाइटल सॉन्ग के लिए 8 लिखे मिले थे। गाना हिट रहा, लेकिन उन्हें इसकी रॉयल्टी नहीं मिली। तनिष्क का बयान आने के बाद यशराज फिल्म्स (फ्क्ष्) ने कहा कि सभी भुगतान कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार किए गए हैं, जिसके बाद तनिष्क ने अपनी पोस्ट हटा दी। तनिष्क की पोस्ट के बाद अमाल मलिक ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वह 2015 से ही म्यूजिक इंडस्ट्री की खामियों के खिलाफ लड़ रहे हैं और अब लोग 10 साल देर से जागे हैं।

कौन हैं तनिष्क बागची?

तनिष्क बागची बॉलीवुड के जाने-माने म्यूजिक कंपोजर, म्यूजिक प्रोड्यूसर, सिंगर और लिरिसिस्ट हैं। बॉलीवुड में उन्हें बड़ी पहचान 'बोलना' (फिल्म कपूर एंड संस, 2016) से मिली। आगे उन्होंने माही वे, जुग जुग जियो, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और सैयारा जैसे गाने कंपोज किए। तनिष्क बागची को रीमिक्स किंग भी कहा जाता है क्योंकि उन्होंने कई पुराने लोकप्रिय गानों को नए अंदाज में पेश किया। इनमें शामिल हैं, हम्मा हम्मा, तम्मा तम्मा अगेन, तू चीज बड़ी है मस्त मस्त, दिलबर, आंख मारे, मेरे रश्क-ए-कमर, मनिके।

Sport

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पहला मेडल, झंडू कुमार को पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज

एजेंसी ▸▸ ग्लासगो

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने पहला मेडल जीत लिया है। बिहार के पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुष हेवीवेट वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 190 किलोग्राम की बेस्ट लिफ्ट के साथ 130.9 अंक हासिल किए।

इससे पहले पुरुष और महिला लाइटवेट पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत मेडल से चूक गया था। वहीं बॉक्सिंग में जादुमणि सिंह ने जीत के साथ राउंड ऑफ-16 में जगह बनाई। लॉन बॉल्स में पुतुल सोनोवाल ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। 28 साल के झंडू कुमार ने ग्रुप-बी से खेलते हुए पहले प्रयास में 181 किलोग्राम और दूसरे प्रयास में 190 किलोग्राम वजन उठाया। इससे उन्हें 130.9 अंक मिले। तीसरे प्रयास में उन्होंने 196 किलोग्राम उठाकर बर्मिंघम 2022 का गेम्स रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बावजूद उनका स्कोर ब्रॉन्ज मेडल के लिए पर्याप्त रहा। नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस ने गोल्ड और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने सिल्वर जीता।

बिहार के नालंदा जिले के हरनौत में झंडू कुमार बचपन से पोलियो से प्रभावित थे। परिवार की मदद के लिए उन्होंने सड़क किनारे पिता के साथ आलू-प्याज बेचे और कोविड के दौरान ई-रिक्शा चलाकर रोजी-रोटी कमाई। अब वही खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए मेडल जीत चुका है।

ई-रिक्शा बेचकर नेशनल चैंपियनशिप खेलने गए, वहीं से बदली किस्मत

2023 में नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए उन्होंने अपना ई-रिक्शा तक बेच दिया। पहली बार में कोई सफल लिफ्ट नहीं लगा सके, लेकिन उनकी प्रतिभा पर पैरालिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट राजिंदर सिंह राहेलू की नजर पड़ी। इसके बाद रअकसेंटर में ट्रेनिंग मिली और करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया।

झटका : भारतीय उम्मीदों पर फिर डोपिंग का डंक

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय उम्मीदों को लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को डोपिंग का डंक लग गया। भारतीय जूडोका अरुण कुमार के बाद अब देश की सबसे सफल जूडोका तूलिका मान को भारतीय टीम से हटा दिया गया। भारत को गुरुवार को डोपिंग के चलते भारोत्तोलन का कोटा भी गंवाना पड़ा था।

भारतीय दल में अब खिलाड़ियों की संख्या 126 से 122 रह गई है। सबसे पहले पैरा तैराक तेजस नंदकुमार को वर्गीकरण (क्लासिफिकेशन) मानदंड पूरे नहीं करने के कारण टीम से बाहर करना पड़ा था। अब राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा अस्थायी निलंबन के बाद तूलिका मान को टीम से हटाने का फैसला किया गया। 27 वर्षीय तूलिका जूडो में पदक की बड़ी उम्मीद थीं। एक जूडो कोच ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि वह 12 महीनों के भीतर तीन बार रहने के स्थान की जानकारी देने में नाकाम रहीं थीं।

गुकेश, प्रज्ञान और वैशाली पर शह-मात का दारोमदार

नई दिल्ली। विश्व चैंपियन डी. गुकेश, शानदार फॉर्म में चल रहे आर प्रज्ञाननंदा और महिला कैंडिडेट्स विजेता आर वैशाली पर फिडे शतरंज ओलंपियाड में भारतीय उम्मीदों का दारोमदार होगा। भारत ने 16 से 27 सितंबर तक उज्बेकिस्तान के समरकंद में होने वाले टूर्नामेंट के लिए शुक्रवार को दस सदस्यीय टीम का ऐलान किया। भारत दोनों वर्ग (पुरुष, महिला) में मौजूदा चैंपियन हैं। पांच-पांच सदस्यीय दोनों टीमों ने 2024 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने वर्गों में खिताब हासिल किया था।

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओं की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदन: 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल 36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बर:-2557390

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया
प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

तुरंत आवश्यकता है
1 ग्राम ज्वेलरी व आर्टिफिशियल ज्वेलरी की मार्केटिंग के लिए युवक-युवतियों की आवश्यकता है। वेतनमान 15000 से शुरु। ड्यूटी 8 घंटे। कार्य क्षेत्र सिर्फ उज्जैन शहर के लिए।
नोटः इच्छुक व्यक्ति एजेंसी लेने हेतु संपर्क करें।
बाबा डायरेक्ट मार्केटिंग कंपनी
मालीपुरा, उज्जैन
मोबाइल- 9981248359

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715, 9425094114

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोनः 7869850570
9827832632

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

अनाहत इतिहास रचने से महज दो जीत दूर

एजेंसी ▸▸ ओंटारियो

भारत की उभरती खिलाड़ी और शीर्ष वरीय अनाहत सिंह शुक्रवार को विश्व जूनियर स्क्वॉश व्यक्तिगत चैंपियनशिप में लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। दिल्ली की यह खिलाड़ी अब खिताब जीतकर इतिहास रचने से सिर्फ दो जीत दूर है। महिला रैंकिंग में विश्व की 20वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने क्वार्टरफाइनल में मिस्र की हबीबा रिज्क को 11-7, 11-5, 6-11, 11-9 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। पिछले साल इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने वाली दिल्ली की 17 वर्षीय खिलाड़ी ने धैर्य और कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

रेगिस्तान का विम्बलडन:सऊदी में पर्पल-ग्रीन रंग के टेनिस सेंटर में होंगे 30 कोर्ट

एजेंसी ▸▸ रियाद

कभी टेनिस की सबसे बड़ी पहचान लंदन का विम्बलडन हुआ करता था। उसकी हरी-बैंगनी रंगत, घास से ढका सेंटर कोर्ट और शाही अंदाज दुनिया भर के खिलाड़ियों और फैंस को आकर्षित करता है। अब उसी पहचान की झलक करीब 5,000 किलोमीटर दूर सऊदी अरब के रेगिस्तान में दिखाई देने वाली है।

सऊदी अरब का नया नेशनल टेनिस सेंटर पहली नजर में विम्बलडन की याद दिला सकता है। सेंटर कोर्ट का बाहरी हिस्सा घास जैसा बनाया जाएगा, रंग भी वही हरा और बैंगनी होगा और इसकी डिजाइन भी काफी हद तक ऑल इंग्लैंड क्लब से प्रेरित है। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोजेक्ट को डिजाइन करने वाली आर्किटेक्चर कंपनी पॉपुलस वही है,

जिसने विम्बलडन के सेंटर कोर्ट की मशहूर रिट्रैक्टेबल रूफ तैयार की थी। रिट्रैक्टेबल रूफ ऐसी छत होती है जिसे जरूरत पड़ने पर खोला और बंद किया जा सकता है। हालांकि, यहां एक बड़ा फर्क भी होगा। बाहर से यह कोर्ट भले ही घास वाला दिखे, लेकिन अंदर खिलाड़ी घास पर नहीं, बल्कि हार्ड कोर्ट पर खेलेंगे। कोर्ट की सतह भी बैंगनी और हरे रंग की होगी। सेंटर कोर्ट में 15 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी और उस पर रिट्रैक्टेबल छत लगाई जाएगी, ताकि 45 से 50 डिग्री तक पहुंचने वाली गर्मी में भी मैच आराम से कराए-जा सकें। इसके अलावा 8 हजार क्षमता वाला एक और कोर्ट भी छत से ढका होगा। पूरे परिसर में कुल 30 टेनिस कोर्ट होंगे। इनमें 28 हार्ड कोर्ट, 2 क्ले कोर्ट शामिल हैं। सभी कोर्ट मिलाकर 33 हजार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी।

सऊदी के लिए यह सिर्फ एक स्टेडियम नहीं, बल्कि विजन 2030 का हिस्सा है। लक्ष्य है कि तेल पर निर्भर अर्थव्यवस्था को खेल, पर्यटन और मनोरंजन के जरिए नई पहचान दी जाए। इसी रणनीति के तहत सऊदी पहले ही कई टूर्नामेंटों का प्रायोजक बन चुका है।

न्यूज कॉलम

हाथी ने ली ऑटो ड्राइवर की जान, गुड़ खिलाते समय सूंड से उठाकर पटका और पैर से दबा दिया

इंदौर। चंदन नगर थाना इलाके में शनिवार को हाथी के हमले में घायल हुए ऑटो रिक्शा ड्राइवर की देर रात उपचार के दौरान मौत हो गई। बताया जाता है कि हाथी को गुड़ खिलाते समय उसने अचानक हमला कर उसे सूंड से उठाकर जमीन पर पटक दिया और पैर रख दिया। घटना के समय ऑटो ड्राइवर शराब के नशे में था। पुलिस के मुताबिक, घटना राज नगर पुलिस चौकी के पास की है। यहां 49 वर्षीय विजय पुत्र लक्ष्मण राव होलकर को हाथी ने घायल कर दिया था। उन्हें पहले उपचार के लिए जिला अस्पताल और फिर वर्मा यूनियन अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, हाथी को उज्जैन से इंदौर एक मांगलिक कार्यक्रम के लिए महावत लेकर पहुंचे थे। शनिवार को वह उसे इलाके में घुमाकर भिक्षावृत्ति कर रहे थे। इसी दौरान ऑटो ड्राइवर लक्ष्मण ने उन्हें पुलिस चौकी के पास रोका। वहां हाथी को गुड़ खिलाने लगा, तभी हाथी भड़क गया और उसने अचानक हमला कर दिया।

ट्रेन की टक्कर से युवक की मौत राजेंद्र नगर में रेलवे ट्रैक पर मिला शव

इंदौर। इंदौर के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का शव मिला। पुलिस का अनुमान है कि उसकी मौत ट्रेन की टक्कर से हुई है। वहीं, शहर में अलग-अलग स्थानों पर दो लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस तीनों मामलों की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक रविवार सुबह करीब 8 बजे भीमनगर रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रैक किनारे एक शव पड़ा होने की सूचना मिली। दूसरी ट्रेन के लोको पायलट ने शव देखकर रेलवे कंट्रोल रूम को सूचना दी थी। मौके पर पहुंची जीआरपी और पुलिस ने पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। मृतक की उम्र करीब 25 साल बताई जा रही है। उसके पास कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस का प्राथमिक अनुमान है कि वह चलती ट्रेन से गिरा या ट्रेन की चपेट में आ गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेज दिया गया है। जूनी इंदौर थाना क्षेत्र के बापू नगर निवासी दिनेश अहिरवार (30) ने शनिवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

खजराना में ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया महिला के खाते से उड़ाए 50 हजार रु.

इंदौर। खजराना में ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। यहां एक व्यापारी महिला को डॉलर देने के नाम पर आरोपी ने 50 हजार रुपए ऑनलाइन अकाउंट में जमा करा लिए। महिला ने शनिवार को मामले की शिकायत की, जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है। खजराना पुलिस के मुताबिक, अनम शेख की शिकायत पर जैक नाम के युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। अनम ऑनलाइन बिजनेस करती हैं और पिछले कुछ सालों से डायमंड खरीदी-बिक्री का काम कर रही हैं। वह अपने बिजनेस के लिए एजेंट के माध्यम से डॉलर खरीदती थीं। कम कमीशन में डॉलर खरीदने के लिए उन्होंने जस्ट डायल पर नंबर सर्च किया। इस दौरान उन्हें एक नंबर मिला। संपर्क करने पर सामने वाले व्यक्ति ने खुद का नाम जैक बताया। उसने मौजूदा कीमत से तीन रुपए कम में डॉलर देने की बात कही। आरोपी ने 1 जुलाई को अनम को एक स्कैनर भेजा, जिसके जरिए उन्होंने 50 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए।

फांसी लगाने वाली पीडब्ल्यूडी इंजीनियर की इलाज के दौरान मौत

इंदौर। पलासिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी की महिला इंजीनियर ने फांसी लगा ली थी, जिसकी शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में महिला के मायके पक्ष ने पति पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस के मुताबिक, 40 वर्षीय आरती, पति नीलेश यादव ने पीडब्ल्यूडी के सरकारी आवास में फांसी लगा ली थी। वेंटिलेटर पर उसका इलाज चल रहा था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रविवार को पोस्टमार्टम कराया गया। फिलहाल आत्महत्या का कारण सामने नहीं आया है, क्योंकि महिला के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में मृतका के भाई ने पुलिस को बताया कि पति नीलेश भी पीडब्ल्यूडी इंजीनियर हैं। दोनों की शादी वर्ष 2012 में हुई थी। परिजन ने आरोप लगाया कि पति आए दिन बहन से विवाद करते थे, जिसके कारण वह प्रताड़ित थी। पुलिस मामले में मृतका की बच्चियों से भी पूछताछ करेगी। इसके बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

धार में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 मैराथन केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने दिखाई हरी झंडी

धार। मध्य प्रदेश सरकार और पुलिस विभाग द्वारा प्रदेशभर में चलाए जा रहे 'नशे से दूरी है जरूरी अभियान 2.0' के तहत रविवार सुबह धार शहर में नशामुक्ति जनजागरूकता मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, युवाओं और आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाना था। मैराथन का शुभारंभ डीआरपी लाइन ग्राउंड से हुआ, जहां केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं, युवा, शिक्षक और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य उत्साह के साथ शामिल हुए। मैराथन का निर्धारित मार्ग डीआरपी लाइन ग्राउंड से मांडव चौराहा, भोज अस्पताल, घोड़ा चौपाटी, त्रिमूर्ति चौराहा और इंदौर नाका होते हुए पुनः डीआरपी लाइन ग्राउंड तक रहा। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने नशामुक्त समाज का संदेश देते हुए लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में धार विधायक नीना वर्मा, कलेक्टर राजीव रंजन मीना, पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा सहित जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

श्रृंगेश्वर धाम में नौका संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध, बिना अनुमति नाव चलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

झाबुआ। झाबुआ जिले के प्रसिद्ध श्रृंगेश्वर धाम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने नौका संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर के निर्देश के बाद जनपद पंचायत पेटलावद ने यह आदेश जारी किया है। माही डैम चारण कोटड़ा के बैकवॉटर क्षेत्र में आने वाले श्रृंगेश्वर धाम में बढ़ती भीड़ को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। जनपद पंचायत पेटलावद के सीईओ गौरव जैन ने आदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि सक्षम कार्यालय की पूर्व अनुमति के बिना कोई व्यक्ति या संस्था नाव का संचालन नहीं कर सकेगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के अनुसार बारिश के दौरान जलाशयों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव होता है। ऐसे में बैकवॉटर क्षेत्र में जल दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर नौका संचालन पर रोक लगाई गई है। ग्राम पंचायत, सरपंच और रोजगार सहायक समेत संबंधित अधिकारियों को आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

झाबुआ-रतलाम मार्ग पर करवड़ चौराहे पर रोज लग रहा जाम

झाबुआ। झाबुआ-रतलाम निर्माणाधीन सड़क पर स्थित कर-वड़ चौराहा इन दिनों वाहन चालकों और राहगीरों के लिए बड़ी परेशानी बना हुआ है। सड़क निर्माण के कारण यहां एक तरफ की पट्टी से ही वाहनों की आवाजाही हो रही है। वहीं, चौराहे के आसपास अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग के चलते रोजाना लंबा जाम लग रहा है, जिससे लोगों को काफी देर तक फंसे रहना पड़ता है। सड़क निर्माण की धीमी रफ्तार के कारण दोनों दिशाओं के वाहन एक ही संकरे रास्ते से निकल रहे हैं। इससे सुबह और शाम वाहनों की लंबी कतार लग जाती है और लोगों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार चौराहे के आसपास सब्जी की ठेलागाड़ियां सड़क पर खड़ी रहती हैं। वहीं, दोपहिया और अन्य वाहन भी अव्यवस्थित ढंग से पार्क किए जाते हैं, जिससे रास्ता और संकरा हो जाता है। ग्राम पंचायत कई बार समझाइश दे चुकी है, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस की नियमित व्यवस्था नहीं होने से समस्या बढ़ रही है। उन्होंने जिला प्रशासन से निर्माण कार्य में तेजी लाने, अतिक्रमण हटाने और ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की मांग की है।

पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी हत्याकांड, खेत में मिला कटा सिर

पति अखिलेश सैनी का होने की आशंका, रेलवे ट्रैक पर मिला था धड़

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के चर्चित पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी हत्याकांड के आरोपी अखिलेश सैनी से जुड़े मामले में एक नया मोड़ आया है। गंजबासौदा के पास एक गांव के खेत में मिला कटा हुआ सिर अखिलेश सैनी का होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पहचान सुनिश्चित करने के लिए सिर और बरामद शव का डीएनए परीक्षण कराया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, 24 जुलाई को दोपहर करीब 2 बजे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी थी कि ग्राम महागोर के पास खेत में एक मानव सिर पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सिर को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

पुलिस के मुताबिक, जहां सिर मिला, वह स्थान रेलवे ट्रैक से करीब 500 मीटर दूर खेतों में है। सिर की हालत बेहद खराब थी। उस पर मांस और मांसपेशियां नहीं थीं केवल हड्डियों का ढांचा बचा था। इसी वजह से मौके पर उसकी पहचान नहीं हो सकी।

मामले की जांच कर रहे सब इंस्पेक्टर बी.एल. मालवीय ने बताया कि बरामद सिर और पहले मिले शव का डीएनए परीक्षण कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बरामद सिर किस व्यक्ति का है। यदि डीएनए रिपोर्ट में सिर की पहचान अखिलेश सैनी के रूप में होती है, तो यह इंदौर के चर्चित उर्मिला सैनी हत्याकांड से जुड़े घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी।

11 जुलाई को हुई थी उर्मिला की हत्या

दरअसल, बीती 11 जुलाई को सरकारी आवास में पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी (38) की हत्या कर दी गई थी। वारदात का खुलासा तब हुआ, जब दोपहर करीब एक बजे उनके दोनों बच्चे स्कूल से लौटे। घर का मेन गेट खुला था और अंदर तेज आवाज में टेलीविजन चल रहा था। घर के भीतर पहुंचने पर बच्चों ने मां को खून से लथपथ देखा। उन्होंने तुरंत अपने नाना सत्यनारायण मालाकार को फोन किया। बच्चों के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी थी।

20 हजार रुपए का इनाम घोषित था

उर्मिला सैनी की हत्या के बाद से ही अखिलेश फरार था। बेटी प्रेक्षा ने खुलासा किया था कि पिता लंबे समय से मां पर बेवजह शक करते थे। इससे पहले भी वे मां का गला दबाने की कोशिश कर चुके थे। एक बार बीच-बचाव करने पर आरोपी ने मंदिर का सिंहासन उठाकर बेटी पर ही फेंक दिया था। पुलिस की कई टीमें अखिलेश की तलाश में लगी थीं। उस पर घोषित इनाम 10 हजार रुपए से बढ़ाकर 20 हजार रुपए कर दिया गया था। फिलहाल, पुलिस यह जांच कर रही है कि अखिलेश पिछले आठ दिन से कहां छिपा था? उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई?

कत्ल के बाद नहाया, तिलक लगाया और बच्चों के स्कूल पहुंचा

उर्मिला की बेटी प्रेक्षा के बयानों और पुलिस पड़ताल में जो कहानी सामने आई, उससे साफ हो गया कि ये हत्या सोची-समझी साजिश का नतीजा थी। हत्या को अंजाम देने के बाद अखिलेश सैनी ने खून से सने कपड़े घर के पास ही एक चेंबर में फेंक दिए। नहाकर साफ कपड़े पहने। बालों में तेल और तिलक भी लगाया। इसके बाद वह सीधे बच्चों- प्रेक्षा और अव्यक्त के स्कूल पहुंचा। वहां उसने बेटी को मां का नेकलेस, घर की चाबी, एटीएम कार्ड दिया और छुट्टी के बाद सीधे मौसी के घर जाने का कहकर फरार हो गया। प्रेक्षा ने बताया कि जब वह और उसका छोटा भाई अव्यक्त स्कूल से घर पहुंचे तो दरवाजा खुला था। टीवी की आवाज असामान्य रूप से तेज थी। अखिलेश ने वॉल्यूम 100 पर कर दिया था, ताकि जब वह उर्मिला पर हमला करे तो उसकी मदद की पुकार पड़ोसियों तक न पहुंच सके। अंदर पहले ही कमरे में उर्मिला की लाश पड़ी थी।

विजयवर्गीय बोले- कांग्रेस अवसरवाद की राजनीति कर रही, आंदोलन से उसका कोई लेना-देना नहीं

विदेशी ताकतें भारत में बांग्लादेश-श्रीलंका जैसा माहौल चाहती थीं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कांग्रेस की भूमिका पूरी तरह राजनीतिक अवसरवाद से प्रेरित है। यदि पड़ोसी के घर बच्चा पैदा हो जाए और कांग्रेस ढोल बजाने लगे, तो उसमें उसकी क्या भूमिका होगी? जिस आंदोलन का हवाला दिया जा रहा है, उसमें छात्रों ने आंदोलन किया और पुलिस की कार्रवाई भी हुई, लेकिन कांग्रेस बाद में राजनीतिक लाभ लेने के लिए मैदान में उतर आई।

यह बात मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में शनिवार रात धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कांग्रेस द्वारा निकाले गए विरोध जुलूस पर प्रतिक्रिया देते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि बंगाल चुनाव के बाद विपक्ष पूरी तरह निराश हो चुका था और उसे इस मुद्दे में राजनीति की एक नई संभावना दिखाई दी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का इस पूरे घटनाक्रम में कोई वास्तविक योगदान नहीं था। उन्होंने कहा राहुल गांधी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को पहले समझना चाहिए। उनके अनुसार यदि आरएसएस नहीं होती तो इस देश की स्थिति क्या होती?, इसकी कल्पना मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं। आज देश जिस व्यवस्था और अनुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है, उसके पीछे आरएसएस के स्वयंसेवकों की वर्षों की मेहनत है।

उन्होंने दावा किया कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से उन सभी विदेशी ताकतों के मंसूबों पर पानी फिर गया, जो भारत में हिंसा और अस्थिरता फैलाना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि कुछ शक्तियां भारत में बांग्लादेश और श्रीलंका जैसी परिस्थितियां पैदा करना चाहती थीं, लेकिन यह प्रयास सफल नहीं हो सका। विजयवर्गीय ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान ने अपने कदम से उन ताकतों की साजिशों को विफल कर दिया है और इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा- धर्मेंद्र प्रधान अनुशासित कार्यकर्ता हैं

- धर्मेंद्र प्रधान की कार्यशैली की सराहना करते हुए विजयवर्गीय ने कहा कि वे उन्हें विद्यार्थी परिषद के समय से जानते हैं। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान जिस जिम्मेदारी को भी संभालते हैं, उसे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाते हैं।
- आंदोलन शुरू होते ही प्रधान ने पार्टी नेतृत्व से स्वयं कहा था कि यदि पार्टी उचित समझे तो वे इस्तीफा देने को तैयार हैं। बाद में पार्टी के सामूहिक निर्णय के बाद उन्होंने इस्तीफा दिया। विजयवर्गीय ने कहा कि यही एक सच्चे और अनुशासित कार्यकर्ता की पहचान होती है कि वह पद से बड़ा संगठन और देश को मानता है।

शराब-पीकर कार चला रहे युवकों ने पुलिसकर्मियों से की मारपीट

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कनाड़िया में चेकिंग के दौरान तीन पुलिसकर्मियों की पिटाई हो गई। कार सवारों को पुलिसकर्मियों ने पकड़ा तो उन्होंने पुलिसकर्मियों से जमकर मारपीट कर दी। मामला अधिकारियों तक पहुंचा, जिसके बाद एफआईआर दर्ज की गई। कुछ दिन पहले जमीन विवाद में भी यहां पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया था। कनाड़िया पुलिस ने राहुल गेहलोद निवासी कृष्ण बाग कॉलोनी, सुभाष चौहान, आशीष और संतोष के खिलाफ शराब पीकर कार चलाने और पुलिसकर्मियों से विवाद कर मारपीट करने के मामले में एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस के मुताबिक, शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे मुकाम सिंह डाबर थाने के अन्य पुलिसकर्मी किशोर सावलिया, विजय यादव, रूपेंद्र भाटी, ओमप्रकाश, मुकेश व अन्य के साथ शराब पीकर वाहन चलाने वालों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान कार लेकर राहुल गेहलोद वहां पहुंचा। कार में उसके अन्य साथी भी थे। अधिक शराब पीने के चलते राहुल गेहलोद का चालान बनाया गया, जिस पर सभी पुलिस से विवाद करने लगे। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने कार को थाने ले जाने की बात कही। तब राहुल और उसके साथियों ने हाथापाई कर दी। साथ ही अपशब्द कहते हुए नौकरी छिनवाने की धमकी दी। इस दौरान पुलिसकर्मी अशोक, किशोर सावलिया और विजय यादव के साथ जमकर मारपीट की गई, जिसमें तीनों के चेहरे और हाथ में चोट आई। उन्हें स्टाफ के अन्य सदस्यों ने निजी अस्पताल में उपचार के लिए भेजा।

बिना नोटिस एडवोकेट का कार्यालय सील करने पर विशेष सुनवाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर नगर निगम द्वारा बिना पूर्व सूचना एक एडवोकेट का कार्यालय सील किए जाने के मामले में हाई कोर्ट ने अवकाश के दिन विशेष अनुमति देकर सुनवाई की। मामले की तत्काल आवश्यकता को देखते हुए कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए नगर निगम को एडवोकेट अमित रावल का कार्यालय तुरंत खोलने का आदेश दिया।

कोर्ट ने माना कि कार्यालय सील रहने से अधिवक्ता का पेशेवर और न्यायालयीन कामकाज प्रभावित हो रहा है। हालांकि, हाई कोर्ट ने अग्नि सुरक्षा के मुद्दे को गंभीर सार्वजनिक हित का विषय मानते हुए संबंधित सोसायटी को दो सप्ताह के भीतर आवश्यक अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन कर जवाब पेश करने के निर्देश भी दिए। याचिकाकर्ता अमित रावल की ओर से एडवोकेट अंशुल हार्डिया ने पैरवी की। सुनवाई के दौरान एडवोकेट रितेश इनानी भी मौजूद रहे। याचिका में बताया गया कि एमजी रोड स्थित उनके कार्यालय को नगर निगम ने बिना किसी पूर्व नोटिस या सूचना के सील कर दिया। इससे उनका पूरा पेशेवर और न्यायालयीन कामकाज प्रभावित हो गया।

किराए के कमरे में युवती का जला हुआ शव मिला

इंदौर में निजी बैंक में करती थी काम, सिर पर चोट के निशान मिले, पुलिस की जांच जारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

खजराना थाना क्षेत्र में 26 वर्षीय युवती का घर में दो दिन पुराना जला हुआ शव मिला है। शव पूरी तरह झुलसा हुआ था। आसपास के रहवासियों ने दरवाजा तोड़ा, तब घटना की जानकारी मिली और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस के मुताबिक, तपेश्वरी बाग निवासी पलक केशव का शव मिला है। वह यहां किराए के कमरे में रहती थी। मूल रूप से वह टिमरनी, जिला हरदा की रहने वाली थी। फिलहाल घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस आत्महत्या और हत्या, दोनों बिंदुओं पर जांच कर रही है। युवती का शव किचन में मिला है।

गैस बर्नर खुला मिला

पुलिस जब जांच के लिए पहुंची तो किचन में गैस बर्नर खुला मिला। शव करीब दो दिन पुराना बताया जा रहा है। वह छोटे गैस सिलेंडर का उपयोग करती थी। घटना की सूचना मिलने के बाद हरदा से परिवार इंदौर के लिए रवाना हो गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। युवती के सिर में चोट के निशान भी मिले हैं। एफएसएल जांच के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पिता दो दिन से युवती को फोन लगा रहे थे, लेकिन वह फोन नहीं उठा रही थी। इसके बाद पिता ने मकान मालिक को फोन किया। मकान मालिक ने आसपास के लोगों की मदद से दरवाजा तोड़कर देखा तो घटना का पता चला। युवती बिजनेस पार्क स्थित एक बैंक में काम करती थी।

पत्नी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

खुडैल थाना क्षेत्र में एक युवक की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। पुलिस का आरोप है कि पत्नी की लगातार मानसिक प्रताड़ना और पैसों की मांग से परेशान होकर युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी।

पुलिस के मुताबिक ग्राम बिहाड़िया निवासी विजय यादव (32) ने 25 मई को अपने घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया था। इलाज के दौरान 27 मई को उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

जांच में सामने आया कि विजय की पत्नी प्रिया, निवासी भागीरथपुरा, इंदौर, उस पर लगातार पैसों का दबाव बनाती थी। वह कभी 10 हजार रु. तो कभी 20 हजार रु. की मांग करती थी। पैसे नहीं देने पर विजय का अपमान करती थी। परिजनों के अनुसार वह कहती थी कि उसकी शादी भिखारियों के खानदान में हुई है और पूरे परिवार को जेल भिजवाने की धमकी देती थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि लगातार पारिवारिक विवाद के कारण विजय मानसिक तनाव में रहने लगा था। उसे नींद नहीं आती थी, इसलिए वह नियमित रूप से नींद की गोलियां लेता था और डॉक्टर से इलाज भी करा रहा था।

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

हजारों श्रद्धालुओं के साथ निकली अहिल्याबाई होल्कर को समर्पित दिंडी यात्रा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

सर्व मराठी भाषी संघ के तत्वावधान में शनिवार देर शाम को इंदौर ने मराठी संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता का ऐतिहासिक दृश्य देखा। राजवाड़ा से शाम 6.30 बजे शुरू हुई हरसिद्धि चौराहा स्थित पंढरीनाथ मंदिर तक निकली भव्य दिंडी यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भगवान श्री हरि विट्ठल के जयघोष, भजन-कीर्तन, ढोल-ताशे, लेझीम और पारंपरिक वाद्यों की गूंज से पूरा शहर भक्तिमय माहौल में रंग गया। रात 9.30 बजे पंढरीनाथ पर यात्रा का समापन हुआ। इस आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण मातोश्री अहिल्याबाई होल्कर को समर्पित पालकी यात्रा रही। करीब 252 वर्ष पहले अहिल्याबाई होल्कर के शासनकाल में निकलने वाली पारंपरिक यात्रा की ऐतिहासिक परंपरा को एक बार फिर इंदौर की सड़कों पर जीवंत किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवा ध्वजों और मातोश्री की प्रतिमा के साथ उत्साहपूर्वक यात्रा में भाग लिया। इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इंदौर में पिछले लगभग 40 सालों से अलग-अलग निकल रही सातों दिंडियां पहली बार एक मंच पर एकत्रित हुईं। इससे मराठी समाज की अभूतपूर्व एकजुटता देखने को मिली। आयोजकों के अनुसार, यह मध्यप्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी दिंडी यात्रा रही, जिसमें शहर ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य , भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com